

धार जिले के सिरसोदिया में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 400 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने नव-दंपतियों पर पुष्पवर्षा कर दिया आशीर्वाद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश की बेटियों के सर्शक्तिकरण और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह संकल्पित है। सामूहिक विवाह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए संवल और सहयोग के जीवंत प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर धार जिले के ग्राम सिरसोदिया में मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

सांस्कृतिक महत्व और सामाजिक आधार- मुख्यमंत्री ने कहा कि धार जिले की यह पावन धरा भगवान श्री कृष्ण एवं माता रुक्मणी की



ऐतिहासिक स्मृतियों से जुड़ी है, जिससे इस मांगलिक आयोजन का महत्व और अधिक बढ़ गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विवाह हमारी गौरवशाली संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी और समाज का आधार है। प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के साथ एक

सच्चे मित्र की तरह हमेशा खड़ी है। अभिभावक के रूप में निभाई भूमिका- कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं अभिभावक का दायित्व निभाते हुए सभी 400 नव-विवाहित जोड़ों पर पुष्पवर्षा की और उन्हें सुखद एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं बड़ा ही सौभाग्यशाली हूँ कि बेटियों के विवाह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ है। भारतीय संस्कृति में विवाह एक श्रेष्ठ और पवित्र संस्कार है यह 16 संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण है जिसे पाणिग्रहण संस्कार भी कहा जाता है।

सरकार को इस योजना के माध्यम से उन सभी गरीब अभिभावकों की इस चिंता को खत्म किया है।जिससे वे बेटियों की शादी को बोझ नहीं वरदान समझे।

इस योजना के माध्यम से गरीब, जरूरतमंद, निराश्रित परिवारों को उनकी बेटियों की शादी के लिए वित्तीय सहायता की जाती है। नवविवाहित जोड़ों को 49 हजार रूपए की राशि का आर्थिक सहयोग दिया जाता है। समारोह में गरिमामयी उपस्थिति- इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्री कालुसिंह ठाकुर ,पूर्व मंत्री श्रीमती रंजना बवेल, प्रभारी कलेक्टर श्री अभिषेक चौधरी, एसपी श्री मयंक अवस्थी सहित अन्य जनप्रतिनिधि,वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिकाण उपस्थित रहे।

समाज में समानता और समरसता लाते हैं सामूहिक विवाह सम्मेलन - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को जबलपुर जिले की बरगी विधानसभा क्षेत्र के शहपुरा नगर में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन में देवी अहिंसा



एयरपोर्ट, इंदौर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की। इस अवसर पर शहपुरा में कुल 200 जोड़ों का सामूहिक विवाह-निकाह संपन्न हुआ। इसमें 198 जोड़ों का हिन्दू रीति-रिवाजों से तथा 2 जोड़ों का कबूलियत निकाह पूर्ण कराया गया। कार्यक्रम में बरगी विधायक एवं इस सम्मेलन के संयोजक श्री नीरज सिंह ठाकुर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में नवविवाहित जोड़ों के

परिजन भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी नवदम्पतियों को मंगलकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज हमारी 200 बेटियों का घर बस गया। यह सिर्फ एक वैवाहिक सम्मेलन नहीं, समाज में खुशियों और विश्वास का एक नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सामूहिक विवाह समाज में समानता, सहयोग और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। इन सम्मेलनों से आर्थिक रूप से

कमजोर, असमर्थ एवं जरूरतमंद परिवारों को बड़ा सहारा मिलता है। हम बेटियों के मान-सम्मान, आजीविका और इनके सर्शक्तिकरण के लिए कोई भी कमी नहीं रखेंगे। मुख्यमंत्री ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारी सरकार का सौभाग्य

है कि हमने बेटियों के पक्ष से मेजबान के रूप में बारतियों की मेहमाननवाजी कर इस पुण्य कार्य में सहभागिता की है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारी बेटियों का जीवन हर तरह से खुशहाल और सुरक्षित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामूहिक विवाह-निकाह सम्मेलन के सफल आयोजन-संचालन के लिए सभी जनप्रतिनिधियों एवं जोड़ों के अभिभावकों, परिजनों को भी बधाई दी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब, बेसहारा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए वरदान साबित हो रहा है- मंत्री श्री सिलावट



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज जनपद पंचायत इन्दौर के ग्राम पंचायत जामुनिया खूर्द में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह में शामिल हुए और

22 नवविवाहितों को आशीर्वाद और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया। इस अवसर पर विधायक श्री मधु वर्मा भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब, बेसहारा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए वरदान साबित हो रहा है। प्रदेश में गरीब परिवारों को कन्या विवाह में होने वाली कठिनाईयों को दूर किया है। अब गरीब परिवारों की कन्याओं के विवाह में किसी प्रकार की परेशानियां नहीं होंगी और उनकी आर्थिक परेशानियों को दूर किया जायेगा। विवाह को पारिवारिक माहौल में सादगीपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जायेगा। मंत्री सिलावट ने 22 नवविवाहितों को आशीर्वाद एवं विवाह उपहार सामग्री देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाअंतर्गत सरकार द्वारा 51 हजार तक की आर्थिक सहायता की जाती है, जो सीधे वधू के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से दी जाती है। गायत्री परिवार द्वारा धार्मिक रीति रिवाज से विवाह का आयोजन कराया जाता है। इस अवसर पर पूर्व विधायक जीतु जिराती, जनपद पंचायत अय्यक्ष विश्वजीतिसिंह सिसोदिया, वरिष्ठ समाजसेवी देवराज परिहार, रवि रावतिया, धीरेंद्र वर्मा, रामस्वरूप गहलोत, धनराम पाटीदार, महेंद्र ठाकुर, सरपंच सतीश यादव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रियंका टैगोर सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

लड़कों से बात करने की शंका में भाई ने ही चाकू मारकर कर दी हत्या, फिर ले गया अस्पताल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नंदानगर क्षेत्र में एक युवक ने अपनी बहन की सिर्फ इसलिए हत्या कर दी थी, क्योंकि उसे शंका थी कि वह फोन पर किसी लड़के से बात करती है। युवक अपनी बहन को चाकू मारने के बाद खुद ही अस्पताल ले गया और डॉक्टरों से कहा कि सरिए पर गिरी है। इस कारण वह घायल हो गई। घटना 27 मार्च की है, लेकिन जांच व अन्य सबूत एकत्र करने के बाद हत्या की गुन्गी अब सुलझी।परदेशीपुरा पुलिस के अनुसार 29 मार्च को 18 वर्षीय शिवानी की मौत हो गई थी। उसका भाई शुभम उसे अस्पताल ले गया और कहा कि सरिए पर गिरने के कारण उसे चोट लगी है। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया तो धारदार हथियार से हत्या होना पाया गया। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और पड़ताल में पता चला कि भाई शुभम राजपूत ने ही शिवानी की हत्या की है। पुलिस को शुभम ने बताया कि वह एक फूल की दुकान पर काम करता है और मूलतः शिवपुरी का है। उसकी बहन शिवानी भी उसके साथ रहती थी और इस साल 12वीं की परीक्षा दी थी। शुभम ने बताया कि शिवानी लड़कों से फोन पर देर तक बातें करती थी। यह बात उसे अच्छी नहीं लगती थी।

29 मार्च को भी वह बात कर रही थी तो उसने टोका। इसके बाद शिवानी ने उससे झगड़ना शुरू कर दिया। गुस्से में आकर शुभम ने चाकू उठाया और शिवानी के पेट में घुसा दिया। इसके बाद वह माफ़ी मांगने लगी और कहा कि आगे से अब गलती नहीं करूंगी। इसके बाद शुभम उसे कोलौनी के ही एक अस्पताल में ले गया और कहा कि छत पर कपड़े लेने गई थी और सरिए पर गिर पड़ी। हत्या का खुलासा करने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

आईपीएल सट्टेबाजी पर खजराना पुलिस की कार्रवाई: 5 सटोरिए मोबाइल पर दांव लगाते पकड़े गए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध सट्टेबाजी के खिलाफ पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में थाना खजराना पुलिस ने Indian Premier League (आईपीएल) मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले 5 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोबाइल के जरिए मैच की हार-जीत पर दांव लगा रहे थे।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार शहर में जुआ और ऑनलाइन सट्टे पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में

खजराना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि स्टार चौराहे के पास ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में कुछ लोग मोबाइल पर सट्टा लगा रहे हैं।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां 5 संदिग्ध व्यक्ति घेरा बनाकर मोबाइल में गतिविधि करते मिले। जांच करने पर पता चला कि वे 18 अप्रैल 2026 को खेले गए आईपीएल मैच (डीसी बनाम आरसीबी) पर ऑनलाइन सट्टा लगा रहे थे। इसके बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को मौके से हिरासत में ले लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में वीरसिंह सांवलिया, दिनेश राठौर, अंगद पटेल, रोहित परमार और सचिन

सोलंकी शामिल हैं, जो खजराना क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों के निवासी हैं। आरोपियों के पास से सट्टेबाजी में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

पुलिस ने सभी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए प्रकरण दर्ज कर लिया है और मामले की जांच जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह संधेव सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इंदौर पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिससे शहर में अवैध सट्टेबाजी और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

महिला आरक्षण बिल अटका तो इंदौर में मैराथन हुई निरस्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा-विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से जुड़े संविधान संशोधन का बिल मंजूर नहीं हो पाया। इस बिल के मंजूर होने की उम्मीद के साथ इंदौर में एक मैराथन आयोजित की गई थी, लेकिन बिल के अटकने के कारण सारी तैयारियां धीरे रह गईं। मैराथन

निरस्त हो गई और कई धावकों को उल्टे पांव अपने घर लौटना पड़ा। इसके अलावा नगर निगम परिषद हाल में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विशेष सम्मेलन आयोजित किया गया था। बिल मंजूर नहीं होने के बावजूद सम्मेलन तो आयोजित किया गया, लेकिन उसमें बहुमत के आधार पर निंदा प्रस्ताव पारित किया गया।

इंदौर में पुलिस का सख्त एक्शन: 389 बदमाशों पर कार्रवाई, 176 शराबी वाहन चालक पकड़े गए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए पुलिस कमिश्नरेट द्वारा व्यापक स्तर पर सघन चेकिंग और पेट्रोलिंग अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर 18-19 अप्रैल की रात शहर के सभी थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाते हुए गुंडे, बदमाशों और नशे में वाहन चलाते वालों पर कड़ी कार्रवाई की गई।

एडिशनल कमिश्नर (क्राइम) आर.के. सिंह के मार्गदर्शन और चारों जोन के डीसीपी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने हॉटस्पॉट और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी। इस दौरान कुल 389 बदमाशों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ



शराबी वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हील एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई करते हुए उनके वाहन जब्त किए। इसके अलावा अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को अवैध चाकू के साथ

वैधानिक कार्रवाई की गई। साथ ही विभिन्न मामलों में 140 से अधिक वारंट तामील कराए गए, जिनमें स्थाई, गिरफ्तारी और जमानती वारंट शामिल हैं।

अभियान के दौरान नशे में वाहन चलाते वालों पर भी सख्ती दिखाई गई। पुलिस ने 176

पकड़ा गया, जबकि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले तीन और गांजा पीते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आदतन अपराधियों के खिलाफ भी प्रतिबन्धात्मक कार्रवाई करते हुए बीएनएसएस की विभिन्न धाराओं के तहत 68 बदमाशों पर कार्रवाई की। साथ ही ड्रोन पेट्रोलिंग के जरिए शेंडो और हॉटस्पॉट क्षेत्रों में निगरानी रखी गई, जिससे कई संदिग्धों और फरार अपराधियों को पकड़ने में सफलता मिली।

अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया और बदमाशों को दोबारा अपराध न करने की सख्त हिदायत दी। पकड़े गए आरोपियों से डोजियर भी भरवाए गए।

इंदौर पुलिस का यह सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिससे शहर में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

भगवान परशुराम और श्रीकृष्ण लोक से जानापाव को मिलेगी राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जानापाव तीर्थ क्षेत्र में गंभीर और अजनार नदी को किया जायेगा पुनर्जीवित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सनातन परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और विकासोन्मुख दृष्टि का समन्वित संदेश देते हुए कहा कि भगवान परशुराम का जीवन आस्था, श्रद्धा और धर्म की स्थापना के लिए समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हर युग में अधर्म के विरुद्ध खड़े होकर परशुराम जी ने धर्म की पुनर्स्थापना की और शस्त्र तथा शास्त्र दोनों में पारंगत रहकर संतुलित शक्ति का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम की जन्म-स्थली जानापाव में 17.41 करोड़ की लागत से श्री परशुराम-श्रीकृष्ण लोक विकसित किया जायेगा, जो भगवान परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने वाला एक प्रमुख आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन का केन्द्र बनेगा। इस लोक के माध्यम से जानापाव को राष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर इंदौर जिले के जानापाव में



आयोजित 'परशुराम प्रकटोत्सव' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने भगवान परशुराम मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली की कामना की और महामारतकालीन अस्त्र-शस्त्रों और चक्रव्यूह की कला पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जानापाव क्षेत्र से 7 से अधिक नदियों का उद्गम हुआ है, जिनमें प्रमुख रूप से चंबल, गंभीर, अजनार, चोरल शामिल हैं। उन्होंने जल गंगा संवर्धन

हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित नदी जोड़ो अभियान की सराहना करते हुए कहा कि केन-बेतवा परियोजना से बुंदेलखण्ड क्षेत्र और पार्वती-कालीसिंध परियोजना से मालवा एवं राजस्थान क्षेत्र को पेयजल, सिंचाई उद्योग और बिजली उत्पादन में व्यापक लाभ मिलेगा, जो क्षेत्रीय विकास को नई गति देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम के विवाह में परशुराम जी के धनुष की

इंदौर में ड्रिवाइडर कूदकर दूसरी लेन में लौडिंग वाहन से टकराई कार, अंदर बैठे युवक-युवती हुए फरार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एमआर-10 पर शनिवार रात एक कार ड्रिवाइडर कूदकर दूसरी लेन में चली गई। इसके बाद तो कई वाहन टकरा गए और एक किमी तक जाम लग गया। कार में बैठे युवक युवती कूदकर फरार हो गए। कई लोग बाल-बाल बच गए।

हीरानगर पुलिस के अनुसार सफेद रंग की कार अरबिंदो अस्पताल की ओर से आ रही थी। बीच बिज पर चालक का संतुलन बिगड़ा और कार ड्रिवाइडर पर चढ़ा दी। उसने कार रोकी नहीं और ड्रिवाइडर लांचकर दूसरी लेन में आ गई। इससे बापट चौराहे की ओर से आ रहे वाहन टकरा गए। कार एक लोडिंग से टकराकर रुक गई। इसमें एक काले रंग की कार और बाइक भी भिड़ गई। घटना से दोनों तरफ का यातायात बाधित हुआ और करीब एक किमी तक सैकड़ों वाहनों की लाइन लग गई। हादसे के वक्त कामकाजी लोगों के जाने का वक्त रहता है। इस कारण कई लोग परिवार सहित जाम में फंसे रहे। कुछ समय बाद पुलिस ने लोगों की मदद से गाड़ियां हटाकर ट्रैफिक सुचारु किया।

इधर, ड्रिवाइडर से टकराई कार के एयरबैग खुले, चारों सवार बाल-बाल बचे- दूसरी घटना में विजय नगर में शुक्रवार रात चालक की लापरवाही से कार लोगों की जान पर बन आई। तेज रफ्तार में जा रही कार ड्रिवाइडर से टकरा गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार के एयरबैग खुलने से चार लोग बाल-बाल बच गए। घटना शुक्रवार रात करीब तीन बजे की है। कार (एमपी 09 सीबी 5516) मालवीय नगर चौराहा से विजयनगर की ओर आ रही थी।

चालक का ध्यान नहीं रहा और कार ड्रिवाइडर में जा चुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के एयरबैग तक खुल गए। कार में चार लोग बैठे हुए थे। राहगीरों की मदद से उन्हें निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

भगवान परशुराम और श्रीकृष्ण लोक से जानापाव को मिलेगी राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अभियान के तहत गंभीर और अजनार नदी को पुनर्जीवित करने की कार्य-योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नदियां धरती माता की धमनियां के समान है। उनका संरक्षण, पुनर्जीवन और सतत प्रवाह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। नदियों के जीवित होने से

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जानापाव में प्रस्तावित लोक में पैरापणिक महत्व को दर्शाने वाला एक भव्य संग्रहालय बनाया जाएगा, जिसमें शस्त्र दीर्घा, उत्पत्ति दीर्घा, स्वरूप दीर्घा, संतुलन दीर्घा और ध्यान दीर्घा के माध्यम से भगवान परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विविध आयामों को प्रस्तुत किया जाएगा। परिसर में दोनों भगवानों की कांस्य प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, 30 फीट ऊंचा भव्य प्रवेश द्वार निर्मित होगा, कथा मंच का निर्माण किया जाएगा तथा गजबौ, व्यू पॉइंट, लैंडस्केपिंग और पाथ-वे सहित अन्य आधारभूत विकास कार्य किए जाएंगे।

महत्वपूर्ण भूमिका रही, जो उस काल की परंपरा और सामर्थ्य का प्रतीक है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि परशुराम जी के आशीर्वाद से ही उन्होंने असंभव प्रतीत होने वाले कार्यों को संभव किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परशुराम जी को महान गुरु बताते हुए कहा कि उन्होंने भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे महायोद्धाओं को शिक्षित कर उन्हें दिव्यास्त्रों का ज्ञान प्रदान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौराणिक महत्व को दर्शाने वाला एक भव्य संग्रहालय बनाया जाएगा, जिसमें शस्त्र दीर्घा, उत्पत्ति दीर्घा, स्वरूप दीर्घा, संतुलन दीर्घा और ध्यान दीर्घा के माध्यम से भगवान परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विविध आयामों को प्रस्तुत किया जाएगा। परिसर में दोनों भगवानों की कांस्य प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, 30 फीट ऊंचा भव्य प्रवेश द्वार निर्मित होगा, कथा मंच का निर्माण किया जाएगा तथा गजबौ, व्यू पॉइंट, लैंडस्केपिंग और पाथ-वे सहित अन्य आधारभूत विकास कार्य किए जाएंगे।

अफीम की महक से अपराध के धुएँ तक, धार्मिक नगरी से अपराधिक नगरी के रूप में बदलती मंदसौर की तस्वीर- कमल कोठारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाजसेवी एवं एनडीपीएस एक्ट के जानकार कमल कोठारी ने अपने तय एक वक्तव्य में कहा है कि मंदसौर को किसी औपचारिक परिचय की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह आस्था और प्रकृति का वह संगम है जहाँ भगवान पशुपतिनाथ शिवना के तट पर विराजमान हैं। इसे काली खान भी कहा जाता है, जहाँ की मिट्टी सोना उगलती है, लेकिन विडंबना यह है कि इसी अमृत के साथ यहाँ विष का व्यापार भी पनपा है। मंदसौर, नीमच, रतलाम और चित्तौड़गढ़ जैसे क्षेत्रों में अफीम की खेती का इतिहास दशकों पुराना है। साल 1984 से पहले यह केवल एक कृषि उपज मात्र थी और इसके उल्लेखन पर कानूनी प्रावधान भी लचीले थे। परंतु, 1984 में जब सरकार ने अफीम और डोडा चूरा को मालक पदार्थों की श्रेणी में रखकर कठोर एनडीपीएस एक्ट लागू किया, तब से

इस क्षेत्र की आबोहवा बदलने लगी। इस कानून के तहत 10 साल की कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया ताकि अवैध कारोबार पर लगाम कसी जा सके। समाजसेवी कमल कोठारी ने कहा कि समय के साथ अफीम की खेती के नियमों में बदलाव आया और डोडा चूरा का प्रबंधन राज्य सरकार के अधीन चला गया। शुरुआत में मामूली लाइसेंस फीस पर डोडा चूरा का व्यापार होता था, लेकिन 1999 के बाद नीलामी प्रक्रिया शुरू होने से बाज़ार में आपसी प्रतिस्पर्धा ने जन्म लिया। जिस मंदसौर को कभी शशाति का टापूश्र कहा जाता था, वह ठेकेदारी



जारी किया।

समाजसेवी कमल कोठारी ने कहा कि कागजों

की आपसी रंजिश और वर्चस्व की लड़ाई के कारण अपराध का अट्ठु बनने लगा। खून-खराबे और हत्याओं के दौर ने इस पवित्र नगरी की शांति को भंग कर दिया। अंततः केंद्र सरकार ने 2015 तक इस ठेका पद्धति को पूरी तरह समाप्त करने का निर्देश दिया और अवशेष डोडा चूरा को खेतों में ही नष्ट करने का आदेश

पर तो नष्टीकरण के आदेश लागू हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत आज भी चिंताजनक बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, इन चार जिलों में सालाना लगभग एक लाख क्विंटल डोडा चूरा पैदा होता है, जिसका बड़ा हिस्सा सरकारी निगरानी के अभाव में तस्करी के रास्ते अन्य राज्यों में पहुँच रहा है। अनुमान है कि इस अवैध कारोबार का सालाना टर्नओवर 1000 करोड़ रुपये के आसपास है। अखबार की सुर्खियाँ आए दिन तस्करी के पकड़े जाने की खबरों से भरी रहती हैं, लेकिन इस तंत्र के पीछे छिपे मुख्य सरगना अक्सर कानून की पहुँच से दूर रह जाते हैं। इस काले खेल में सबसे दुखद पहलू उन किशोरों और युवाओं का है, जो पैसों के लालच में स्क्रूरियर बॉयस् बन जाते हैं और अंततः सलाखों के पीछे अपनी ज़िंदगी बबाद कर लेते हैं।

समाजसेवी कमल कोठारी ने कहा कि आज

स्थिति केवल डोडा चूरा तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि एमडी जैसी घातक ड्रग्स का मकड़जाल पूरे प्रदेश में फैल चुका है। हालिया रिपोर्टों के डराने वाले आंकड़े बताते हैं कि लगभग 40 प्रतिशत युवा किसी न किसी नशे की चपेट में हैं। यह रड्डता प्रदेशश्र की एक भयावह तस्वीर है, जहाँ मासूम ज़िंदगियाँ धुएँ में विलीन हो रही हैं। प्रशासन की साठ-गांठ के आरोपों के बीच अब यह अनिवार्य हो गया है कि सरकार इस नशे की बेल को जड़ से काटने के लिए सक्रियता दिखाए। जब तक खेतों में डोडा चूरा के नष्टीकरण की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होगी और मुख्य सरगनाओं पर शिकंजा नहीं कसेगा, तब तक युवा पीढ़ी को इस आगोश से बचना संभव नहीं होगा। अब समय आ गया है कि नशे के इस काले अध्याय को बंद कर एक नशा मुक्त प्रदेश की स्थापना की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

अवैध ख़ैर की लकड़ी की तस्करी के विरुद्ध वन विभाग की बड़ी कार्यवाही

रामपुरा-मनासा मार्ग पर ट्रक से भारी मात्रा में खैर की लकड़ी जवा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वन संरक्षक उज्जैन श्री आलोक पाठक (भा.व.से.), वन मंडलाधिकारी अधिकारीश्री एस.के. अटोदे, एवं उप वनमण्डलाधिकारी मनासा श्री दशरथ अखंड के मार्गदर्शन में 18 अप्रैल 2026 को रात्रि 3-00 बजे वन विभाग रामपुरा को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक ट्रक क्रमांक RJ14GQ8673 में अवैध खैर की लकड़ी भरकर रामपुरा-मनासा मार्ग से ले जाई जा रही है।

सूचना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग की टीम ने रामपुरा-मनासा मुख्य मार्ग पर नायरा पेट्रोल पम्प के समीप घेराबंदी कर ट्रक को रोक लिया।

जब्तो एवं गिरफ्तारी- वाहन आयशर ट्रक क्रमांक RJ14GQ8673 से भारी मात्रा में बेकौमती खैर की अवैध लकड़ी बरामद हुई। वाहन चालक के पास लकड़ी के परिवहन से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज नहीं पाए गए।

टीम ने मौके से साहिल खान पिता शौकीन खान,



निवासी अलावदा, जिला अलवर (राजस्थान), इकबाल पिता मेरहाब खान, निवासी मिनाना गर्दना, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) एवं मोहम्मद अशराफ पिता जफर इकबाल, निवासी बेरियाबास, जिला नूह (हरियाणा) को गिरफ्तार किया।

अग्रिम वैधानिक कार्यवाही- लकड़ी अवैध होने के कारण वन विभाग द्वारा वन अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत

प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। वर्तमान में जब्त ट्रक वन विभाग की सुपुर्दगी में है।

मुख्य भूमिका- कार्यवाही में वन परिक्षेत्र अधिकारी रामपुरा श्री भानुप्रतापसिंह सोलंकी, श्री आशीष शर्मा कार्यवाहक वनपाल परिक्षेत्र सहायक रामपुरा, श्री दिलीप धनगर वनरक्षक बीट प्रभारी रामपुरा एवं अन्य अधीनस्थ स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही है

यह जानकारी के उपवन मंडल अधिकारी श्री दशरथ अखंड ने दी है।

विधायक परिहार ने ग्वालटोली में किया श्री चंद्रवंशी ग्वाला (गवली) समाज के नवनिर्मित हॉल और पेयजल टंकी का लोकार्पण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक एकजुटता और सुविधाओं के विस्तार की दिशा में ग्वाल टोली स्थित श्री चंद्रवंशी ग्वाला (गवली) समाज ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। समाज परिसर में नवनिर्मित सामुदायिक हॉल, भव्य मुख्य द्वार और नवनिर्मित पेयजल टंकी का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक दिलीपसिंह परिहार द्वारा फीता काटकर किया गया।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक परिहार ने समाज के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा यह नवीन निर्माण कार्य समाज के सर्वांगीण विकास और सुविधा विस्तार की दिशा में एक मील का पथर साबित होगा। इस आधुनिक हॉल और बुनियादी सुविधाओं से आने वाले समय में सामाजिक कार्यक्रमों, बैठकों और



अन्य आवश्यकताओं को एक सुदृढ़ आधार मिलेगा।

इस अवसर पर समाज की एकता और उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष श्री धनपाल पटेल, मंडल अध्यक्ष श्री दारासिंह यादव सहित समाज के कई वरिष्ठजन, प्रबुद्ध नागरिक और गणमान्य जन विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत समाज के पदाधिकारियों द्वारा परंपरा अनुसार किया गया।

ब्रेन स्ट्रोक का मरीज शासकीय अस्पताल में उपचार के बाद स्वस्थ मरीज ने जिला चिकित्सालय की चिकित्सा सेवाओं की प्रशंसा की

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा आमजन को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही है। सरकार की योजनाओं के तहत रतलाम जिले में ब्रेन स्ट्रोक के मरीज को बचाने में सफलता मिली ।

सिविल सर्जन डॉ एम एस सागर ने बताया कि मरीज कमलाबाई निवासी भोई मोहल्ला जिला रतलाम को 11 अप्रैल को जिला चिकित्सालय रतलाम की ओपीडी से गम्भीर स्थिति में गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती किया गया।



मरीज की जांच करने पर पता लगा की मरीज को लकवा है ।

जाए, तो इसकी नजर तुरंत कार्रवाई के लिए पहुंच जाती है। क्या यह तकनीक का उपयोग है या किसानों को परेशान करने की सोची-समझी साजिश? चुनाव में किसान का बेटा बताते वाले नेता आज चुप्पी साधे हुए हैं। किसानों का साफ कहना है कि समय पर पैसा न देना सहायता नहीं, बल्कि उनका अपमान है।

सिस्टम की गलती, किसान पर दंड- विनोद दक ने कहा कि सरकार ने कर्ज वसूली की अंतिम तिथि 30 मार्च तय कर दी, जबकि पोर्टल की तकनीकी खामियों के चलते किसान अपनी फसल बेच ही नहीं पाया।

नतीजा- हजारों किसान जीरो प्रतिशत ब्याज योजना का लाभ लेने से वंचित रह गए।

मजबूरी- अपनी साख बचाने के लिए किसान साहूकारों से भारी ब्याज पर कर्ज लेकर बैंक का मूलधन चुकाने को मजबूर हैं। सवाल यह है कि यदि गलती

गम्भीर स्थिति को देखते हुए आई सी यू में डॉ अंकित जैन ने मरीज का गंभीर हालत में एम आर आई करवाया । एम आर आई में पाया गया कि मरीज को सी वी ए ब्रेन स्ट्रोक है, गंभीर स्थिति में होने के कारण उसके जीवित रहने की संभावना बहुत कम थी।डॉक्टर, फिजिशियन एवं नर्सिंग ऑफिसर की द्वारा दी गई चिकित्सा सेवाओं से मरीज को जीवनदान मिला।

मरीज के बेटे ने बताया कि वह गहन चिकित्सा इकाई की सभी सेवाओं से बहुत सन्तुष्ट है। मरीज को सभी दवाई गोली इंजेक्शन सरकारी योजनाओं के तहत अस्पताल से ही निःशुल्क उपलब्ध करवाए गए।

सरकारी सिस्टम की है, तो किसान को दंड क्यों भुगतना पड़ रहा है? ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पूर्व अध्यक्ष विनोद दक ने कहा कि शेर जैसे भाणप, डेर जैसा काम-जनप्रतिनिधियों की चुप्पी बोट मांगने के समथ मंचों पर शेर की तरह दहाड़ने वाले भाजपा के नेता और विधायक आज नदारद हैं। जब किसान स्लॉट बुकिंग और फसल बेचने के लिए दर-दर भटक रहा है, तो ये जनप्रतिनिधि अपने घरो में दुबक गए हैं। सरकार की नीतियां केवल कागजों और विज्ञापनों तक सीमित होकर रह गई हैं।

चेतावनी- सरकार के लिए किसान केवल एक वोट बैंक बनकर रह गया है। यदि समय रहते इन तकनीकी और प्रशासनिक त्रुटियों को दूर नहीं किया गया, तो किसान का यह आक्रोश आने वाले समय में सत्ता के गलियारों तक पूँजेगा।

नीमच में संघ के शताब्दी वर्ष पर भव्य आयोजन आज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सी वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर, सोमवार, 20 अप्रैल को नीमच के टाउन हॉल में एक बहुउद्देश्यीय विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। संघ की नर्सरी कहे जाने वाले नीमच शहर में होने वाले इस गरिमामय आयोजन में संघ के पूर्व अखिल भारतीय सरकार्यावाह भैयाजी जोशी का साम्निध्य और मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

दो महत्वपूर्ण सत्रों में होगा आयोजन- जिला संचालक अनिल जैन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम को दो मुख्य चरणों में विभाजित किया गया है- मातृशक्ति गोष्ठी- प्रथम सत्र दोपहर 12-00 बजे प्रारंभ होगा, जिसमें विशेष रूप से महिलाओं (मातृशक्ति) के साथ संवाद किया जाएगा।

प्रबुद्धजन संवाद- द्वितीय सत्र शाम 4-00 बजे आयोजित होगा, जिसमें समाज के सभी वर्गों के प्रमुख जनों और प्रभावी व्यक्तित्वों के साथ गोष्ठी होगी।

राष्ट्र प्रथम का भाव और सीधा संवाद- बताया जा रहा है कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में संघ की भूमिका और राष्ट्र प्रथम के भाव को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाना है।

भैयाजी जोशी राष्ट्रीय और सामाजिक महत्व के समसामयिक विषयों पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम की विशेषता यह है कि इसमें प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया है, जहाँ सहभागी सीधे संवाद कर सकेंगे।

तैयारियाँ पूर्ण, प्रवेशिका अनिवार्य- मालवा प्रांत के नीमच में होने वाले इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारियों की गई हैं। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि कार्यक्रम में प्रवेश केवल प्रवेशिकाधारी (पास धारकों) को ही दिया जाएगा।

गांधीसागर जलाशय में अवैध शिकार की घटना एवं मगरमच्छ की मृत्यु में शिकार होना पाया गया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वनमण्डलाधिकारी संजय रायखरे द्वारा बताया गया कि गांधीसागर जलाशय के संजीत क्षेत्र के बैकवाटर में दिनांक 15 अप्रैल 2026 को सोशल मीडिया के माध्यम से कुछ वीडियो संज्ञान में आए, जिनमें बड़ी संख्या में मृत मछलियाँ एवं एक मगरमच्छ के मृत होने की आशंका व्यक्त की गई थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुछ बाहरी व्यक्तियों द्वारा जल में

विद्युत करंट प्रवाहित कर अवैध रूप से मछलियों का शिकार किया जाना सामने आया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही नाहरगढ़ पुलिस, वन विभाग एवं राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त रूप से त्वरित कार्यवाही करते हुए पश्चिम बंगाल के 03 आरोपियों सुकांत सरकार, सुजान विश्वास, देवव्रत विश्वास को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों के कब्जे से अवैध शिकार में प्रयुक्त यूपीएस बैटरी, विद्युत तार एवं अन्य उपकरण जब्त किए गए हैं। प्रकरण में मृत्यु अधिनियम एवं



अन्य प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। वन विभाग द्वारा दिनांक 16 से 18 अप्रैल 2026 तक सतत सचिंग अभियान चलाया गया। दिनांक 18 अप्रैल को संजीत डूब क्षेत्र के सान टापू के समीप एक मृत मगरमच्छ पाया गया, जो अत्यधिक सड़ी-गली अवस्था में था। अध्यारण्य गांधीसागर में पदस्थ वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. आकाश वाल्मिकी द्वारा मौके पर वैज्ञानिक परीक्षण हेतु नमूने लिए गए एवं पोस्टमार्टम किया गया। तत्पश्चात

संभावित है। वन विभाग द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए आगे की कार्यवाही की जा रही है। फर्रिसिक रिपोर्ट के आधार पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, पूरे नेटवर्क की जांच एवं क्षेत्र में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। वन विभाग आमजन से अपील करता है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि समय पर आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

राम टेकरी स्थित परशुरामजी वाटिका पर हवन-पूजन हुआ



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अक्षय्य तृतीया के पावन पर्व पर आयोजित होने वाले भगवान श्री विष्णु के छठे अवतार और ब्राह्मण स्मार्ण के आराध्य देव भगवान श्री परशुरामजी के जन्मोत्सव पर राम टेकरी स्थित वाटिका पर बिराजित श्री परशुरामजी की प्रतिमा का पूजन-अर्चन एवं अभिषेक के साथ हवन का आयोजन रविवार को प्रातः पं. प्रियाश राज पुरोहित के आचार्यत्व में क्षेत्र के लोकप्रिय भागवतार्चय पं . श्री दशरथ भाईजी एवं पं. भूपेन्द्र शर्मा के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। यहां राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेशाध्यक्ष पं. जितेन्द्र व्यास, आयोजन के संयोजक पं. देवेन्द्र पौराणिक, एवं समाज सेवक पं. ललित भारद्वाज, पं. पुष्कर शर्मा, पं. अंकित मौड़, डॉ. धनश्याम बटवाल, पं. नरेंद्र त्रिवेदी आदि ने अपने आराध्य देव को आहुतियां प्रदान कीं। तत्पश्चात श्री परशुराम जी आरती सम्पन्न हुई। इस अवसर पर समाजसेवी पं .चेतन जोशी, पं. रामप्रसाद शर्मा, पं . दिनेश नागर, डॉ. दिनेश जोशी, पं . नरेंद्र देराश्री, पं. अभिमन्यू सिंह मण्डलौई, पं . दिनेश तिवारी, पं. सुनिल शर्मा, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित रही।

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान हितैषी होने का दम भरने वाली सरकार का बेनकाब हुआ असली चेहरा, तकनीकी और लेटलतपी के बीच पिस रहा धरती पुत्र ,मंचो से किसान-हितैषी होने का दम भरने वाली डबल इंजन सरकार के दावों और हकीकत की जमीन के बीच एक गहरी खाई है। प्रदेश का किसान आज सरकारी सिस्टम की तकनीकी खामियों, प्रशासनिक लेटलतपी और जनप्रतिनिधियों की बेरुखी की दोहरी मार झेलने को मजबूर है।

उपरोक्त जानकारी जीरन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पूर्व अध्यक्ष विनोद दक ने प्रेस विज्ञप्ति में देते हुए बताया है कि ई-उपाजिन से लेकर सम्मान निधि तक, हर स्तर पर किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

सैटेलाइट का अजब खेल- फसल के लिए अंधा तो पराली पर बाज जैसी नजर- सरकार ने तकनीक का जो

मकड़जाल बुना है, उसमें किसान बुरी तरह फंस गया है। ई-उपाजिन पोर्टल पर सैटेलाइट सत्यापन अब एक बड़ा मजाक बनकर रह गया है। श्री दक ने कहा कि बैमैसम बारिश और ओलावृष्टि से रबी सीजन की फसलों में भारी नुकसान हुआ आज तक, किसानों को न तो मुआवजा और ना ही बीमा दिला पाई सरकार। भाजपा सरकार किसानों का काम करें,या फिर किसान का बेटा कहना बंद करें। *फसल का सच*- खेतों में गेहूं की फसल लहलहा रही है, लेकिन सरकारी सैटेलाइट को वह नजर नहीं आ रही। परिणामस्वरूप, सत्यापन न होने से पोर्टल पर स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया बाधित है।

दंडात्मक मुस्तैदी- हैरानी इस बात की है कि यही सैटेलाइट जहां किसान को मदद देने की बात आती है, वहां अंधा हो जाता है, लेकिन अगर खेत में पराली जल

सम्पादकीय

युद्ध के बारूद से बढ़ता पर्यावरण का तापमान, वैश्विक जल संकट की आशंका

पश्चिम एशिया के आकाश में बारूद के बादल और जलते तेल-कुओं से उठता धुआँ केवल युद्ध का दृश्य नहीं रचता, बल्कि वह पृथ्वी के तापमान, वायुमंडलीय संतुलन और जल चक्र को भी गहराई से प्रभावित करता है। आज जब दुनिया पहले ही ग्लोबल वार्मिंग के संकट से जुझ रही है, तब युद्ध और सैन्य टकराव इस संकट को कई गुना बढ़ा रहे हैं। यह स्थिति केवल पर्यावरणीय चिंता नहीं, बल्कि आने वाले समय में एक गंभीर जल संकट की चेतावनी भी है।

पश्चिम एशिया जहाँ मध्य पूर्व के देश जैसे इराक, ईरान, सऊदी अरब और इजराइल स्थित हैं पहले ही जल संसाधनों के मामले में संवेदनशील क्षेत्र रहा है। यहाँ की भौगोलिक बनावट शुष्क है, वर्षा सीमित है और भूजल पर निर्भरता अधिक है। ऐसे में जब युद्ध होते हैं, तो केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि जल स्रोत भी प्रभावित होते हैं। बमबारी से नदियाँ और जलाशय प्रदूषित होते हैं, तेल के रिसाव से समुद्री जल दूषित होता है और धुएँ के कारण वायुमंडल में कार्बन की मात्रा बढ़ जाती है।

बादल हुआ आर्कान उत्सर्जन सीधे-सीधे पृथ्वी के तापमान को बढ़ाता है, जिससे जल चक्र असंतुलित हो जाता है। कहीं अत्यधिक वर्षा होती है तो कहीं सूखा पड़ता है। इस असंतुलन का सबसे बड़ा प्रभाव जल संसाधनों पर पड़ता है। (संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों में भी यह चेतावनी दी गई है कि यदि युद्ध और पर्यावरणीय विनाश इसी तरह जारी रहे, तो आने वाले दशकों में जल संकट वैश्विक संघर्ष का प्रमुख कारण बन सकता है)

भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक है। भारत में पहले ही भूजल दोहन तेजी से हो रहा है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार देश के कई बड़े शहरों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है। यदि वैश्विक तापमान इसी तरह बढ़ता रहा, तो भारत में मानसून का पैटर्न और अधिक अनिश्चित हो जाएगा।

भारत का लगभग 60% कृषि कार्य वर्षा पर निर्भर है। यदि वर्षा समय पर नहीं होती या अत्यधिक होती है, तो फसलें नष्ट होती हैं और जल संकट गहरता है। इसके साथ ही, हिमालय के ग्लेशियर जो गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों के स्रोत तेजी से पिघल रहे हैं। यह स्थिति हिमनद पिघलने का संकेत है, जो प्रारंभ में बाढ़ और बाद में स्थायी जल संकट का कारण बन सकता है। युद्ध का एक और अप्रत्यक्ष प्रभाव यह है कि इससे वैश्विक सहयोग कमजोर होता है। जब देश आपसी संघर्ष में उलझे रहते हैं, तब वे जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम नहीं कर पाते। उदाहरण के लिए, पेरिस समझौते जैसे प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब विश्व के देश आपसी सहयोग और आपस में बातचीत बनाए रखें। लेकिन युद्ध की स्थिति में यह सहयोग आपसी सामंजस्य के अभाव के कारण पीछे हट जाता है।

भारत के संदर्भ में जल संकट केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं,बल्कि बड़ी सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल की कमी से पलायन बढ़ सकता है, जिससे शहरी क्षेत्रों पर दबाव बढ़ेगा। इसके अलावा, जल संसाधनों को लेकर राज्यों के बीच विवाद भी बढ़ सकते हैं।

इस संकट से निपटने के लिए भारत को बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, जल संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी जैसे वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल के पुनर्चक्रण की व्यवस्था। इसके साथ ही, किसानों को जल-संरक्षण आधारित खेती की ओर प्रोत्साहित करना होगा।साथ ही, भारत को वैश्विक स्तर पर भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज़ महत्वपूर्ण है। यदि भारत जैसे देश शांति और सहयोग की पहल करें, तो यह वैश्विक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

यह भी समझना अत्यंत आवश्यक होगा कि युद्ध केवल सीमाओं को नहीं जलाता, बल्कि वह भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल जैसे मूलभूत संसाधन को भी खतरे में डाल सकता है । पश्चिम एशिया के आकाश में उठते बारूद के बादल हमें यह चेतावनी दे रहे हैं कि यदि हमने समय रहते शांति और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम नहीं उठाए, तो आने वाला समय जल के लिए संघर्ष का समय हो सकता है।

पूरा घटनाक्रम हमें केवल चिंता में नहीं डालता, बल्कि यह एक आह्वान भी है शांति का, सहयोग का और प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित करने का। क्योंकि जल ही जीवन है, और यदि जल संकट गहराया, तो मानव सभ्यता की नींव ही डगमगा सकती है।

शुद्धि के बिना सिद्धि संभव नहीं है



शुद्धि के बिना सिद्धि संभव नहीं है। और शुद्धि पाने का सहजतम मार्ग है सहज योग। सहज योग के अनुसार श्री गणेश का स्थान हमारे मूलाधार चक्र पर है। श्री गणेश सदैव बाल रुप में हैं और अबोधिता के गुण को मानव मात्र में स्थापित करते हैं। श्री गणेश के आशीर्वाद के बगैर हमारे अंदर शुद्धता व अबोधिता नहीं आ सकती क्योंकि जब यह गुण हमारे अंदर स्थापित होता है तभी सेक्रम बोन में तीन कुंडल में सुभावस्था में विराजमान कुंडलिनी मां जागृत होती है और उर्ध्वर्गाति की ओर चलायमान होती है और मनुष्य के अंदर अनीधिति, पवित्रता और बुद्धिमान के गुण स्थापित होते हैं। हमारे दैनिक जीवन में पवित्रता का विशेष महत्व है। साधना की पहली सीढ़ी ही पवित्रता है। जीवन में जितनी पवित्रता होती है, जीवन का उकर्ष भी उतना ही होता है। शुद्धि से तात्पर्य मात्र शरीर का नहीं है, बल्कि मन, प्राण और भाव-विचार के साथ-साथ हमारा अंतःकरण भी निर्मल होना चाहिए। शुद्धता के गुण आते ही व्यक्ति धीरे-धीरे अज्ञान व अधंकार के आवरण को पार कर प्राकाशित स्थिति प्राप्त करता है। इस शुद्धि के फलस्वरूप मन की शांति, चित्त की स्थिरता और प्राण की एकग्राता व हृदय की तन्मयता का प्रादुर्भाव स्वभावतः होने लगता है। आनंद व अवरोहण भी तभी संभव होता है। शुद्धि से आत्मा विभिन्न वासनाओं और आकर्षणों से मुक्त होती है। और...सिद्धि प्राप्ति से पहले की प्रारंभिक अवस्था शुद्धि ही है।

शुद्ध भावों वाला व्यक्ति ही परमात्मा को भी प्रिय होता है। उसके पूजन-अर्चन व प्रार्थना में शुचिता यानी पवित्रता का विशेष महत्व है। आचार-विचार के साथ-साथ जीवन के अन्य क्षेत्रों जैसे व्यापार में पैसे के लेन-देन और नौकरी आदि में ईमानदारी व कर्तृत्य के प्रति निष्ठान्वन बने रहना भी पवित्रता की ही श्रेणी में आते हैं। व्यक्ति चाहे किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हो, वह वहल रहे हुए ही पवित्रता का ध्यान रखने योग्य बन जाता है। पवित्रता को निय-प्रतिदिन की दिनचर्या में रखकर हम अपना बौद्धिक स्तर तो उत्तम बना ही सकते हैं, साथ ही, स्वयं सुखी रहते हुए अन्य लोगों को भी इस राह पर अग्रसर कर सकते हैं। पवित्रता जीवन का मूल आधार है। आज समाज में जो नैतिक पतन हो रहा है उसका एक खास कारण शुचिता की ओर ध्यान नहीं दिया जाना है। व्यक्ति जैसे ही पवित्रता की तरफ एक कदम बढ़ता है, उसकी सोच में निष्ठा और है, उसकी भौतिक प्राप्ति के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति भी होती है। अन्य लोग भी ऐसे व्यक्ति के प्रति श्रद्धा व आस्था का भाव रखने लगते हैं। जो भी महापुरुष या ऋषि-मुनि इस देश में हुए हैं, उन्होंने साधना के संदर्भ में पवित्रता को विशेष महत्व दिया है। वे ही हमारे प्राचीन व आधुनिक भारत के प्रेरणास्रोत बने। सच तो यह है कि पवित्रता का ध्यान रखे बगैर मानव जीवन का कल्याण संभव ही नहीं है।

तपता हुआ आसमान अब सिर्फ मौसम का मिजाज नहीं, बल्कि एक सुलगता संकट है जो हमारी सांसों, श्रम और अस्तित्व को चुपचाप निगल रहा है। आसमान की तीखी तपिश एक अदृश्य आपदा बन चुकी है, जिसने भारत में जीवन के संतुलन को डगमगा दिया है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में गर्मी अब सहनशीलता की सीमा नहीं, बल्कि सीधे स्वास्थ्य पर प्रहार करने वाली ताकत बन गई है। बढ़ती हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता साफ दिखाती है कि यह अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी और गहराता संकट है। ऐसे में इसे केवल पर्यावरण का मुद्दा मानना भूल होगी; इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में स्वीकार करना अब न केवल आवश्यक, बल्कि अपरिहार्य हो गया है।

इस उभरते संकट की सबसे निर्मम मार उसी विशाल अनौपचारिक श्रमबल पर पड़ रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था की धुरी है, फिर भी नीतिगत प्राथमिकताओं में हारिशे पर रहता है। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र के करीब 12.8 करोड़ कार्यकर्ता—निर्माण स्थलों की धूल, सड़कों की तपिश, बाजारों की भीड़ और डिलीवरी के चक्र में जुटे मजदूर—खुले आसमान के नीचे बिना सुरक्षा के काम करने को विवश हैं। उन्हें न पर्याप्त छाया मिलती है, न स्वच्छ व ठंडे पानी की नियमित उपलब्धता, और न ही स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसेमंद तंत्र। यह विडंबना है कि जो हाथ देश की प्रगति को गति देते हैं, वही जलवायु संकट के सामने सबसे अधिक असह्य और असुरक्षित हैं।

फिर अटका महिला आरक्षण

मोदी सरकार ने संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण लागू करने के लिए सभी राज्यों में 50 प्रतिशत लोकसभा सीटें बढ़ाए जाने का जो संविधान संशोधन विधेयक पेश किया, उसे वह विपक्ष के विरोध के कारण पारित नहीं कर सकी और दो तिहाई बहुमत के अभाव में वह गिर गया। इसी के साथ अगले आम चुनाव यानी 2029 से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की पहल ठंडे बस्ते में चली गई। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि जहाँ प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने दक्षिण के क्षेत्रीय दलों जैसी संकीर्णता दिखाई तो सपा जैसे दलों ने महिला आरक्षण के भीतर ओबीसी, अल्पसंख्यक वर्गों की महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग की। कांग्रेस एवं दक्षिण भारत के दलों और खासकर तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने ऐसे व्यवहार किया, जैसे किसी राज्य विशेष के हितों अथवा क्षेत्र विशेष की महिलाओं को आरक्षण देने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाया गया था। यह विधेयक तो समस्त राय की महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए था। एक लोकसभा सदस्य जब किसी बिल पर मतदान करता है तो राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर करता है, न कि राज्य विशेष के हितों को ध्यान में रखकर। महिला आरक्षण विधेयक 2023 में इस प्रविधान के साथ पारित हुआ था कि उसे नई जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन के उपरांत लागू किया जाएगा, लेकिन कोविड और फिर अन्य कारणों से 2021 में होने वाली जनगणना में देरी होती चली गई। अब वह शुरू हुई है। उसके नतीजे आने में समय लगेगा और फिर परिसीमन होते-होते 2029 बीतने के आसार हैं। इसके चलते महिला आरक्षण 2034 के लोकसभा चुनाव में लागू हो पाता। इसी कारण सरकार ने महिला आरक्षण शीघ्र लागू करने की पहल की। उसने इसके लिए लोकसभा सीटें बढ़ाने के बाद हुए परिसीमन के तहत बढ़ी थीं। इसके बाद से वे यथावत हैं, क्योंकि परिसीमन काराकर लोकसभा सीटें बढ़ाने की पहल को फ्रीज कर दिया गया था। 1971 में भारत की आबादी करीब 55 करोड़ थी। अब 140 करोड़ हो चुकी है, पर लोकसभा सीटें 543 ही हैं। इसके चलते एक लोकसभा सदस्य को कहीं अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करना पड़ता है। कहीं-कहीं तो यह आबादी 45 लाख से भी अधिक है। परिसीमन फ्रीज करने का एक बड़ा कारण दक्षिण के राज्यों का यह तर्क था कि वे अपनी आबादी कम करने में सफल रहे हैं और यदि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो उत्तर भारत के मुकाबले लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा, लेकिन प्रश्न यह है कि अब जब नई जनगणना के बाद परिसीमन होगा तो क्या उस समय वे यह जिद पकड़ेंगे कि वह जनसंख्या के आधार पर न हो?

बाजार में गिरावट का मौजूदा दौर कितना खतरनाक?

बाजार में गिरावट के दौर दो तरह के होते है। एक दौर वह होता है जिसमें शुरुआत में तेज गिरावट आती है मगर बाद में बिकवाली की रफ्तार कुंद पड़ने लगती है। चार से पांच महीनों में सब कुछ ठीक हो जाता है। लगभग एक दशक से भारत और शेष दुनिया के बाजार इसी तरह की गिरावट के अभ्यस्त रहे हैं। गिरावट का दूसरा दौर वह होता है जिसमें गिरावट कई चरणों में आती है और महीनों और यहां तक कि वर्षों की अवधि में बाजार एक नए निचले स्तर तक फिसल जाता है।

इस दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव होते रहते हैं। कुछ कारक बाजार को ताकत देते वाले 131वें संविधान संशोधन के विधेयक के साथ परिसीमन से जुड़ा संशोधन विधेयक और केंद्रशासित प्रदेश संबंधी संविधान विधेयक पेश किया। चूंकि 131वां संविधान संशोधन विधेयक ही पारित नहीं हो सका, इसलिए सरकार के लिए अन्य दोनों विधेयक बेमानी हो गए। मौजूदा लोकसभा सीटें 1971 की जनगणना के बाद हुए परिसीमन के तहत बढ़ी थीं। इसके बाद से वे यथावत हैं, क्योंकि परिसीमन काराकर लोकसभा सीटें बढ़ाने की पहल को फ्रीज कर दिया गया था। 1971 में भारत की आबादी करीब 55 करोड़ थी। अब 140 करोड़ हो चुकी है, पर लोकसभा सीटें 543 ही हैं। इसके चलते एक लोकसभा सदस्य को कहीं अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करना पड़ता है। कहीं-कहीं तो यह आबादी 45 लाख से भी अधिक है। परिसीमन फ्रीज करने का एक बड़ा कारण दक्षिण के राज्यों का यह तर्क था कि वे अपनी आबादी कम करने में सफल रहे हैं और यदि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो उत्तर भारत के मुकाबले लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा, लेकिन प्रश्न यह है कि अब जब नई जनगणना के बाद परिसीमन होगा तो क्या उस समय वे यह जिद पकड़ेंगे कि वह जनसंख्या के आधार पर न हो?

—धनंजय राजौरा

स्वास्थ्य के मोर्चे पर बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभाव अब गहरे, व्यापक और चिंताजनक रूप ले चुके हैं। उंचा तापमान हृदय संबंधी बीमारियों से होने वाली मौतों के खतरे को बढ़ा रहा है, वहीं गर्भवती महिलाओं में समय से पहले प्रसव का जोखिम 15-16 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। निर्जलीकरण, अत्यधिक थकावट, गुदों की खराबी और मांसपेशियों में ऐंठन जैसे लक्षण अब अपवाद नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सच्चाई बनते जा रहे हैं। जो आंकड़े सामने आते हैं, वे इस संकट की केवल ऊपरी परत दिखाते हैं; असल तस्वीर कहीं अधिक भयावह है, जहां अनगिनत पीढ़एं और मामले बिना दर्ज हुए चुपचाप दब जाते हैं।

गर्मी का प्रभाव अब केवल शरीर की सहनशक्ति तक सीमित नहीं रहा; यह बीमारियों की प्रकृति, उनकी गति और उनके फैलाव की दिशा तक को बदल रहा है। तापमान में निरंतर वृद्धि और वर्षा के अस्थिर पैटर्न ने मच्छरों के जीवनचक्र को इस तरह परिवर्तित किया है कि डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां तेजी से नए भूभागों, यहां तक कि हिमालयी क्षेत्रों में भी पैर पसार रही हैं। जो संक्रमण कभी सीमित भौगोलिक दायरों में बंधे थे, वे अब उन क्षेत्रों में भी उभर रहे हैं जहां पहले उनका नामोनिशान तक नहीं था। इस बदलाव ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर असामान्य दबाव डाल दिया है, जबकि पहले से ही वंचित और कमजोर समुदाय और अधिक खतरे में आ गए हैं।

आर्थिक मोर्चे पर भी यह संकट अदृश्य चोट की तरह

अदृश्य धागों से बुनी दुनिया...

चुनौती भी। आज के समय में दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई दिखाई देती है। तकनीक, संचार और डिजिटल माध्यमों ने दूरियों को लगभग समाप्त कर दिया है। एक क्लिक में हम दुनिया के किसी भी हिस्से से जुड़ सकते हैं। लेकिन इसके बावजूद मनुष्य के भीतर अकेलेपन की भावना भी उतनी ही तीव्र होती जा रही है।

यह हमारे समय का एक बड़ा विरोधाभास है बाहरी जुड़ाव बढ़ रहा है, लेकिन भावनात्मक दूरी भी गहरी हो रही है। ऐसे समय में यह विचार कि हम सब अदृश्य धागों से जुड़े हुए हैं, हमें अपने अस्तित्व की एक नई समझ देता है।

स्मृतियां भी इन धागों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे हमारे भीतर अतीत की उपस्थिति बनाए रखती हैं। किसी व्यक्ति से जुड़ी एक छोटी-सी स्मृति भी वर्षों बाद अचानक जीवित हो उठती है और हमें उन क्षणों में वापस ले जाती है जिन्हें हम बीत चुका समझते हैं।

इसी तरह किसी संबंध का टूटना केवल एक व्यक्ति से दूरी नहीं होता, बल्कि हमारे जीवन की बुनावट का एक धागा ढीला पड़ जाना होता है। शायद इसलिए मनुष्य संबंधों के प्रति इतना संवेदनशील होता है।

जीवन की एक और सच्चाई उसकी अनिश्चितता है। हम योजनाएँ बनाते हैं, लक्ष्य तय करते हैं, लेकिन जीवन हमेशा सीधी रेखा में नहीं चलता। कभी कोई अनजान व्यक्ति अचानक हमारे जीवन में प्रवेश कर जाता है और हमारी सोच की दिशा बदल देता है। कभी कोई रिश्ता धीरे-धीरे समय की धुंध में खो जाता है।

इन सबके बीच जीवन हमें यह सिखाता है कि हर अनुभव चाहे, वह सुख का हो या दुःख का, हमारी आंतरिक यात्रा का हिस्सा है। यही अनुभव धीरे-धीरे हमारी समझ को गहरा बनाते हैं।

बाजार में गिरावट का मौजूदा दौर कितना खतरनाक?



उम्मीदों की जमकर सवारी करता है। स्थिरता का कोई भी संकेत मसलन केंद्रीय बैंक का हस्तक्षेप, राजनयिक स्तर पर पहल या तनाव में कमी या इस पर विराम बाजार में उछल का कारण बन सकता है।

शॉर्ट-सेलर अपनी पोजीशन कवर करते हैं, सस्ते में शेयर खरीदने वाले लौट आते हैं। कीमतें बढ़ती हैं और कभी-कभी बहुत तेजी से। इस चरण में मीडिया विशेषज्ञों के हवाले से यह कहना शुरू कर देता है कि 'सबसे खराब दौर बीत चुका है।' हालांकि, फिर नकारात्मक खबरों की एक नई लहर आती है। ये खबरें निवेशकों को चौंकाती हैं और जिससे वे नकारात्मक परिणामों की तरफ देखने लगते हैं। इससे पहले से ही कमजोर विश्वास फिर टूट जाता है। कीमतें गिरकर नए निचले स्तर पर पहुंच जाती हैं। बाजार यह चक्र दोहराता रहता है।

वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान यह उतार-चढ़ाव साफ दिखाई दिया। साल 2008 की पहली तिमाही में बाजार बुरी तरह गिरा मगर नीतिगत समर्थन के दम पर अप्रैल में उनमें तेजी आई। बेयर स्टर्न्स को संकट से बचाने की मुहिम इस बात का सबूत माना गया कि सबसे खराब वक्त बीत चुका है। मगर ऐसा नहीं था। बैंकिंग प्रणाली में नुकसान लगातार बढ़ता रहा। इसी समय, कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं और जुलाई की शुरुआत में 147 डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गईं जिससे शेयर बाजारों पर फिर से दबाव पड़ा।

इसके बाद सितंबर में लीमन ब्रदर्स दिवालिया हो गया। अक्टूबर तक बड़े पैमाने पर

बढ़कर ठोस और व्यापक कार्रवाई की जरूरत है। अनौपचारिक मजदूरों के लिए हीट-सेफ्टी कानून लागू करना, हर कार्यस्थल पर छाया और स्वच्छ पानी की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करना, तथा काम के घंटों को तापमान के अनुसार वैज्ञानिक ढंग से पुनर्निर्धारित करना बेहद जरूरी है। शहरी इलाकों में हरित क्षेत्र बढ़ाना, सुलभ कूलिंग सेंटर विकसित करना और जलवायु-लचीला स्वास्थ्य ढांचा तैयार करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे। साथ ही, जागरूकता अभियानों को मजदूरों की भाषा, परिस्थितियों और जरूरतों के अनुरूप ढालना अनिवार्य है, ताकि ये उपाय वास्तव में प्रभावी बन सकें।

अब निर्णय की घड़ी आ चुकी है—यह मानने की कि जलवायु परिवर्तन कोई दूर का खतरा नहीं, बल्कि हमारे वर्तमान का सख्त और तेजी से विकराल होता सच है। इसकी तपिश अब केवल मौसम तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन, स्वास्थ्य और आजीविका के हर पहलू को झुलसा रही है। यदि इसे समय रहते सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में स्वीकार कर ठोस और साहसिक कदम नहीं उठाए गए, तो इसके परिणाम और अधिक भयावह और व्यापक होंगे। यह लड़ाई केवल पर्यावरण बचाने की नहीं, बल्कि मानव जीवन, सामाजिक न्याय और आर्थिक स्थिरता को सुरक्षित रखने की है—और अब इस सवाल को टालना, दरअसल, भविष्य को खतरे में डालना होगा।

—प्रो. आरके जैन

अदृश्य धागों से बुनी दुनिया...

कला इसी समझ की खोज का एक माध्यम है। कलाकार अपने निजी अनुभवों हानि, स्मृति, प्रेम और विछोह को किसी प्रतीक या रूप में व्यक्त करता है। वह अपने अनुभवों को इस तरह प्रस्तुत करता है कि वे केवल उसकी कहानी न रहकर एक साझा मानवीय अनुभव बन जाएँ।

जब हम किसी कलाकृति को देखते हैं, तो उसमें हमें केवल कलाकार का संसार नहीं दिखाई देता, बल्कि कहीं न कहीं अपनी कहानी भी दिखाई देने लगती है। यही कला की शक्ति है वह व्यक्तिगत को सार्वभौमिक बना देती है।

दरअसल मनुष्य की भावनाएँ बहुत अलग नहीं होतीं। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों और देशों के बावजूद प्रेम, दुख, आशा, भय और स्मृति जैसी भावनाएँ सभी मनुष्यों में समान रूप से मौजूद रहती हैं। यही हमारी साझा मानवता है।

आज जब दुनिया कई तरह के विभाजनों से गुजर रही है धर्म, जाति, राष्ट्र और विचारधाराओं के आधार पर तब यह याद रखना और भी जरूरी हो जाता है कि हम सब मूलतः एक ही मानवीय अनुभव के हिस्सेदार हैं। शायद यही अदृश्य धागों का अर्थ भी है। वे हमें यह याद दिलाते हैं कि हम अलग-अलग होकर भी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

जीवन की सबसे बड़ी सुंदरता भी इसी साधारण बुनावट में छिपी है। रोजमर्रा के छोटे-छोटे क्षण, मामूली-सी मुलाकातें, स्मृतियों की हल्की आहटें और संबंधों की गर्माहट ये सब मिलकर जीवन को अर्थ देते हैं।

कभी-कभी हमें बस इतना ही करना होता है कि इन अदृश्य धागों को पहचानें, उन्हें संभाल कर रखें और उस साझा मानवता को याद रखें जो हम सबको एक-दूसरे से जोड़ती है। शायद यही वह अदृश्य लाल धागा है, जिससे जीवन की पूरी दुनिया बुनी हुई है।

—कुमार सिद्धार्थ

बाजार में गिरावट का मौजूदा दौर कितना खतरनाक?

हैं) के पास सीमित विकल्प रह गए हैं। नरम मौद्रिक नीति से मुद्रास्फीति बढ़ने का खतरा है, सख्त नीति से वृद्धि रुकने का खतरा है। यह पहला तरीका है जिससे चीजें बिगड़ सकती हैं और झटका लंबे समय तक बना रह सकता है। मुद्रास्फीति उम्मीद में ऊंचे स्तर पर पहुंच सकती है जिससे ब्याज दरों का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ सकता है। बॉन्ड यील्ड बढ़ सकती है। अगर ऐसा होता है तो शेयर मूल्यांकन भी उसी अनुपात में कम हो जाएगा। जिन बाजारों को राहत की उम्मीद थी उन्हें अब संयम के साथ ढलना होगा।

दूसरा जोखिम यह है कि व्यवधान आपूर्ति श्रृंखलाओं में फैल सकता है। आधुनिक उत्पादन प्रणालियां कुशल हैं मगर नाजुक हैं। ऊर्जा की कमी, परिवहन में देरी और कच्चे माल की कमी शायद ही कभी

एक क्षेत्र तक सीमित रहती है। कंपनियां रक्षात्मक प्रतिक्रिया देती हैं यानी वे भंडार जमा करती हैं, निवेश में देरी करती हैं और नकदी बचाती हैं। जो बखेड़ा आपूर्ति समस्या के रूप में शुरू होता है वह विश्वास की कमी में बदल जाता है। आर्थिक वृद्धि दर धीमी हो जाती है अचानक नहीं बल्कि निरंतर गति से। तीसरा पहलू वित्तीय है। बड़े ऊर्जा आयातकों के लिए तेल की ऊंची कीमतें बाहरी संतुलन पर दबाव डालती हैं और मुद्राओं को कमजोर करती हैं। फूँजी प्रवाह अधिक अस्थिर हो जाता है।

जोखिम प्रीमियम बढ़ जाते हैं। ऐसे माहौल में मामूली झटके भी बड़े प्रभाव डाल सकते हैं क्योंकि बाजार कम तरलता और अधिक अनिश्चितता के दौर में स्वयं को समायोजित करते हैं। अच्छी बात यह है कि इस बार भी हमारी समस्याओं का स्रोत केवल एक ही है और वह है अमेरिका और इजरायल द्वारा ईान से छेड़ा गया एकरतफा युद्ध। अमेरिका इसे जल्द से जल्द समाप्त कर सकता है। एक बार एक हो जाने पर आपूर्ति व्यवस्था संभलनी शुरू हो सकती है और नीति निर्माता भी झटके कम करने के लिए काम करना शुरू कर देंगे। निवेशक फिलहाल इसी परिदृश्य को ध्यान में रखकर काम कर रहे हैं। अगर अमेरिका होम्जु स्ट्रेट को बलपूर्वक खोलना चाहता है तो संभवतः बाजार में गिरावट का दूसरा दौर सामने आएगा जिसका कारण एक जटिल और लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष होगा।

—डॉ. सुधाकर आशावादी

भ्रूण हत्या कांड: पुलिस रिमांड में डॉ. चारु तिवारी, अब पूरे सिस्टम पर सवालों की बौछार?

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को झकझोर देने वाले भ्रूण हत्या कांड में जांच अब तेज होने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीन पर हालात कई गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। मुख्य आरोपी डॉ. चारु तिवारी पुलिस रिमांड पर है और उससे लगातार पूछताछ जारी है। माना जा रहा है कि इस पूछताछ से कई अहम खुलासे सामने आ सकते हैं, लेकिन अब तक कार्रवाई की रफ्तार को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

मामला सामने आने के बाद से ही यह संकेत मिल रहे हैं कि यह केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके

तार अन्य जगहों और लोगों से भी जुड़े हो सकते हैं। बावजूद इसके, अब तक अन्य संदिग्ध डॉक्टरों या संस्थानों पर ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हो पाई—यह बड़ा सवाल बन गया है।

इसी के साथ जिला स्वास्थ्य विभाग की भूमिका भी कठघरे में है। नियमों के अनुसार जिले में संचालित सोनोग्राफी सेंटरों की नियमित मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग की होती है। अगर मॉनिटरिंग हो रही थी, तो फिर ऐसा गंभीर अपराध आखिर कैसे चलता रहा ? क्या निरीक्षण सिर्फ कागजों में सिमट

कर रह गया था?

क्या जिम्मेदार अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही बरती ? मॉनिटरिंग टीम में कौन-कौन शामिल हैं, और अब तक उनकी जवाबदेही तय क्यों नहीं की गई ?

सबसे बड़ा और सीधा सवाल- जब जांच में अन्य डॉक्टरों और संस्थानों के नाम सामने आने की चर्चाएं हैं, तो फिर उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही ? जांच के नाम पर आखिर यह देरी किसे बचाने की कोशिश है ? जानकारों का मानना है कि इस तरह के

गंभीर मामलों में देरी कई संदेहों को जन्म देती है। अगर समय रहते निष्पक्ष और व्यापक कार्रवाई नहीं हुई, तो यह पूरे सिस्टम की साख पर सवाल खड़ा कर सकता है।

अब जरूरत है कि पुलिस और स्वास्थ्य विभाग दोनों ही स्तर पर पारदर्शी और तेज जांच हो, ताकि इस कांड में शामिल हर व्यक्ति तक कानून का हाथ पहुंच सके।

आखिरकार सवाल वहीं- क्या यह केवल एक आरोपी की कहानी है, या सिस्टम की चूक और छिलाई ने इस काले कारोबार को पनपने दिया?

बैंक नोट प्रेस से स्थानांतर होने पर वीरेंद्र सिंह को दी विदाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बैंक नोट प्रेस के मुद्रण विभाग के डी एम वीरेंद्र सिंह का देवास से इंडियन सिक्योरिटी प्रेस नासिक स्थानांतर होने पर विभाग के सभी कर्मचारियों व अधिकारियों ने खेड़ापति होटल पर समारोह का आयोजन कर विदाई दी। आयोजन मुख्य अतिथि प्रेस के संयुक्त महाबन्धक दीपक वर्मा, मैनेजर इदरीश अंसारी थे। सर्वप्रथम सभी अतिथियों का विभाग की ओर से वरिष्ठ पर्यवेक्षक मोहम्मद नायब ने पुष्पगुछ एवं शाल श्रीफल से स्वागत किया। इसके पश्चात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वीरेंद्र सिंह का पुष्प माला पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेटकर स्वागत किया। इस अवसर पर मैनेजर इदरीश अंसारी ने बताया



कि वीरेंद्र सिंह ने हमेशा अपने कार्य के प्रति निष्ठा ईमानदारी और समर्पण से अपने दायित्व को निवाह किया है और वह हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जेजीएम दीपक वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि वीरेंद्र सिंह अपने कार्य के दौरान विशेष रूप से उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य किए हैं, उनके कुशल तकनीकी दक्षता तथा कार्य

के प्रतिबद्धता के परिणाम स्वरूप उत्पादन क्षमता में वृद्धि एवं गुणवत्ता में सुधार तथा कार्य प्रणालियों में व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। उन्होंने संस्थान में निर्धारित लक्ष्यों को समय से प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उनका अनुशासन में कार्य व्यवहार क्षमता उनके मार्गदर्शन की में टीम भावना को सुदृढ़ता सकरात्मक वातावरण निर्माण हुआ है। स्थानांतर सेवाकाल की निर्माण प्रक्रिया है जो नवीन दायित्वो एवं अवसरों का मार्ग प्रशस्त करती है हमें पूर्ण विश्वास है कि वीरेंद्र सिंह अपने नवीन पद स्थापना स्थल पर भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते हुए संस्थान की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

उप मुख्यमंत्री ने स्वयं अपना स्वगणना फॉर्म भरा

रीवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना-2027 अंतर्गत स्व-गणना प्रक्रिया को बढ़ावा देते हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने स्वयं कंप्यूटर के माध्यम से स्व-गणना फॉर्म भरकर नागरिकों को प्रेरित किया और यह संदेश दिया कि यह



प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं सहज है। उप मुख्यमंत्री ने समस्त नागरिकों से इस डिजिटल सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई यह आधुनिक डिजिटल सुविधा नागरिकों को घर बैठे सरल, सुरक्षित एवं सुविधाजनक तरीके से जनगणना में भाग लेने का अवसर प्रदान करती है। कोई भी नागरिक पोर्टल पर लॉगिन कर कुछ आसान प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी एवं अपने परिवार

की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकता है। उप मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्व-गणना सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें और जनगणना कार्य को सफल बनाने में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। सभी स्व-गणना करें और सशक्त, पारदर्शी एवं डेटा-संचयन भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

उल्लेखनीय है कि जनगणनाडू 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की

गणना का कार्य एक मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। इसके पूर्व 16 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना हेतु पोर्टल पर विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस अवधि में नागरिक अपनी स्व-गणना समय रहते पूर्ण कर सकते हैं, जिससे आगामी प्रक्रिया और अधिक सुगम हो सके। इससे नागरिकों को घर, कार्यालय अथवा किसी भी स्थान से मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से सुरक्षित रूप से जानकारी दर्ज करने की सुविधा मिलती है। यह न केवल समय की बचत करता है, बल्कि डेटा संग्रहण को अधिक सटीक एवं प्रभावी भी बनाता है। जनगणनाडू2027 में पहली बार नागरिकों को स्व-गणना का विकल्प प्रदान किया गया है।

गाँव बरदु के डॉ. अनार सिंह ठाकुर की आत्मकथा 'आनंद से अनार तक' का भव्य विमोचन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले डॉ. अनार सिंह ठाकुर के जीवन के संघर्षों और अनुभवों की अनकही दास्तान आनंद से अनार तक का विमोचन उनकी विवाह की 28वीं वर्षगांठ के सुअवसर पर हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

सरस्वती पूजन के साथ कार्यक्रम का आगाज- समारोह की शुरुआत उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस मांगलिक उत्सव में साहित्य जगत की प्रमुख हस्तियों और गणमान्य नागरिकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रमुख अतिथियों द्वारा विमोचन-आत्मकथा का विमोचन देवास के सुप्रसिद्ध साहित्यकार मनीष वैद्य, मनीष शर्मा, हिमांशु कुमावत, कृपाली राणा, समाजसेवी विमल कुमार जी सरकला, डॉ. ठाकुर के बड़े भाई सज्जन सिंह पटेल,विक्रम सिंह पटेल बरदु,विकास खंड शिक्षा अधिकारी जगन्नाथ



डामेचा, रणधीर सिंह खोंची एवं कन्हैयालाल शर्मा के कर-कमलों द्वारा किया गया।

वक्ताओं ने की मुक्तकंठ से सराहना- विमोचन के पश्चात आत्मकथा पर चर्चा करते हुए-

मनीष शर्मा ने डॉ. ठाकुर की लेखन शैली और पुस्तक की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। साहित्यकार मनीष जी वैद्य ने डॉ. अनार

सिंह के इस साहसिक प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

हिमांशु कुमावत ने भावुक होते हुए कहा, इस आत्मकथा को पढ़ने से मुझे अपना बचपन पुनः जीवंत होता महसूस हुआ।

बचपन की यादों ने किया मंत्रमुग्ध- कार्यक्रम के दौरान डॉ. अनार सिंह ठाकुर ने स्वयं अपनी पुस्तक का एक अंश पढ़कर

कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन केंद्र का किया निरीक्षण

टीकमगढ़/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री विवेक श्रोत्रिय ने आज संबंधित अधिकारियों के साथ कृषि उपज मंडी परिसर में स्थापित गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए किसानों को सुगम और पारदर्शी तरीके से उपार्जन हेतु सुविधायें उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री श्रोत्रिय ने उपार्जन केंद्र पर तौल व्यवस्था, गेहूं की गुणवत्ता, बारदानों की उपलब्धता, परिवहन, भंडारण एवं भुगतान प्रक्रिया की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को किसी प्रकार की अमुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए तथा निर्धारित मानकों के अनुसार ही उपार्जन किया जाए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री श्रोत्रिय ने मौके पर मौजूद किसानों से भी चर्चा की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए। साथ ही उन्होंने केंद्र पर साफ-सफाई, पेयजल एवं छाया जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम टीकमगढ़ श्रीमती संस्कृति मुदिता लटौतिया सहित संबंधित अधिकारी एवं मंडी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमलतास मेडिकल कॉलेज में 4-दिवसीय विशेष ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन

लेब डॉक्टरों और तकनीशियन सीख रहे हैं गुणवत्ता के मानक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास-अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने चिकित्सा और जांच के क्षेत्र में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। संस्थान द्वारा 360 डायग्नोस्टिक एंड हेल्थ सर्विसेज के सहयोग से प्रोग्राम 360 HELP (हेल्थ एजुकेशन एंड लर्निंग प्रोटोकॉल) के अंतर्गत एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

15 अप्रैल से शुरू हुई यह चार-दिवसीय वर्कशॉप मुख्य रूप से ISO 15189:2022 मानकों पर आधारित रही। इसका मुख्य उद्देश्य लैबोरेट्री डॉक्टरों और तकनीशियनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के गुणवत्ता प्रबंधन और नवीनतम प्रोटोकॉल में प्रशिक्षित करना है, ताकि मरीजों को सटीक और मानक जांच रिपोर्ट मिल सके।

इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में 360 डायग्नोस्टिक्स की डायरेक्टर डॉ. जतिंदर भाटिया उपस्थित रहें। डॉ. भाटिया, जो FICCI, BRICS



और क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया जैसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सदस्य हैं, ने प्रतिभागियों को Quality Management Systems (QMS), ISO और NABL के महत्व और फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में न केवल अमलतास मेडिकल कॉलेज, बल्कि MGM इंदौर, मेडिकल कॉलेज खंडवा और इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर के प्रतिभागियों ने भी बहु-चक्रकर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की सफलता में आयोजन समिति

की अहम भूमिका रही, जिसका नेतृत्व बायोकेमिस्ट्री विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शेख मोहम्मद खालिक (ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन) ने किया। उनके साथ पैथोलॉजी विभाग की एचओडी डॉ. ममता गुप्ता (ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी) और डॉ. अभिराज रामचंद्रानी ने पूरे तालमेल के साथ इस आयोजन को सफल बनाया।

इस गरिमामय अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष श्री सुरेश सिंह भदौरिया जी, अध्यक्ष श्री मयंकराज सिंह भदौरिया जी, डीन डॉ. ए.के. पिठवा, प्रो-चांसलर डॉ. सलिल भार्गव, रजिस्ट्रार डॉ. अभय गुप्ता और सी.ओ.ओ डॉ. जगत रावत सहित सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उपस्थित रहकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

अमलतास रूप के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया जी ने कहा कि मरीज के हित में और चिकित्सा शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए इस तरह की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं के आयोजन में अमलतास संस्थान सदैव सहभागी बना रहेगा।

जिला स्तरीय सामूहिक विवाह/निकाह कार्यक्रम संपन्न

रीवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनान्तर्गत जिला स्तरीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन जनपद पंचायत जवा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य



अतिथि के रूप में विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल ने की। सम्मेलन में जिले के विभिन्न जनपदों एवं नगरीय निकायों से आए पात्र जोड़ों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विधिवत विवाह/निकाह संपन्न कराया गया। इस अवसर पर 196 जोड़ों का सामूहिक विवाह/निकाह संपन्न हुआ। जिनमें जनपद जवा के 32, त्योंथर के 26, सिरमौर के 31, रीवा के 23, रायपुर कर्चुलियान के 22, गोंव के 23 सहित नगर निगम एवं विभिन्न नगर परिषदों के जोड़े शामिल रहे। मुख्य अतिथि विधायक श्री दिव्यराज सिंह ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए अत्यंत लाभकारी है, जिससे उन्हें सम्मानपूर्वक विवाह का

अवसर प्राप्त होता है तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल ने सभी नवदम्पतियों के सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की तथा इस

जनकल्याणकारी योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। सभी अतिथियों द्वारा नवदम्पतियों को आशीर्वाद प्रदान किया गया तथा शासन द्वारा निर्धारित सामग्री एवं आर्थिक सहायता का वितरण किया गया। सम्मेलन अनिल दुबे संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांजन सशक्तिकरण के निर्देशन में तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जवा सुलाब सिंह पुराण के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती रतु बोडी पांडे अध्यक्ष जनपद पंचायत जवा, श्रीमती पूर्णिमा तिवारी जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंचगण, मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पीएनजी गैस कनेक्शन के लिए लगाये जा रहे जागरूकता शिविर

रीवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। घरों में खाना पकाने के लिए सिलेण्डर से मिलने वाली एलपीजी गैस का उपयोग किया जाता है। इसके बेहतर विकल्प के रूप में पीएनजी यानि पाइप नेचुरल गैस के कनेक्शन रीवा शहर के कई मोहल्लों में दिये जा रहे हैं। पीएनजी गैस कनेक्शन लेने के बाद सिलेण्डर लेने की परेशानी समाप्त हो जाती है। पीएनजी गैस पूरी तरह से सुरक्षित है। पीएनजी गैस कनेक्शन देने के लिए रीवा शहर में विभिन्न मोहल्लों में जागरूकता शिविर लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों के लिए प्रभारी अधिकारी तैनात किये गये हैं। इस संबंध में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना पिपाडी ने बताया कि जागरूकता शिविर के लिए पीएनजी गैस कनेक्शन देने वाली कंपनी के प्रतिनिधि युवराज यादव , विकास कुशवाहा तथा सचिन मिश्रा को तैनात किया गया है। नगर निगम के वार्ड प्रभारी शिविरों के लिए नोडल अधिकारी बनाये गये है। जागरूकता शिविर 20 अप्रैल को अनंतपुर, 21 अप्रैल को अरूण नगर, 24 अप्रैल को इन्दिरा नगर, 28 अप्रैल को द्वारिका तथा 25 अप्रैल को रवीन्द्र नगर में लगाये जायेंगे। नोडल अधिकारी कंपनी के कर्मचारियों के साथ में शिविर स्थल के आसपास के सभी घरों में जाकर पीएनजी गैस कनेक्शन की जानकारी दें। पीएनजी गैस कनेक्शन से संबंधित हैण्ड बिल पर्चे आदि का भी घर-घर जाकर वितरण करायें। शिविर के बाद गैस कनेक्शन की आवेदन की जानकारी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

मातृ मृत्युदर एवं शिशु मृत्युदर को कम करने में सभी की सहभागिता आवश्यक - उप मुख्यमंत्री शुवल

रीवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मातृ मृत्युदर एवं शिशु मृत्युदर को कम करने में सभी की सहभागिता आवश्यक है। हम सबको संकल्प लेना है कि युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए कोई कसर छोड़नी नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्म कर्मों का दायित्व है कि वे समाज को जागरूक करें ताकि प्रदेश एवं रीवा जिले में शिशु मृत्युदर व मातृ मृत्युदर में अपेक्षित कमी लाई जा सके। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में यूनिसेफ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं जिला स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वाधान में धर्म गुरुओं के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज को दिशा देने का कार्य धर्म गुरु करते हैं वह आध्यात्म व संस्कार की शिक्षा देते हैं इसी लिए आप सबसे अपेक्षा है कि समाज को जागरूक करें और लोगों को प्रेरित करें कि गर्भवती महिलाओं को समय पर जांच हो और उनका स्वास्थ्य बेहतर रहे ताकि वे स्वस्थ बच्चे को जन्म दें। श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा जिले में मातृ मृत्युदर को 159 से कम करते हुए 70 पर तथा शिशु मृत्युदर को 43 से कम करते हुए 20 पर लाने जागे का संकल्प सभी के सहयोग से पूर्ण होगा।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

26 अप्रैल को निकलेगी भव्य शौर्य यात्रा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गंगानगर स्थित राजराजेश्वर श्री परशुराम वाटिका में भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव अक्षय तृतीया के पानन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन 19 अप्रैल रविवार को जिला अध्यक्ष पंडित दिनेश मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना, दुग्ध अभिषेक, हवन एवं महाआरती का आयोजन किया गया। श्री शिव मदन वैदिक विद्यालय देवास के आचार्यों पंडित देवनायक मिश्रा, पंडित कपिल शास्त्री, पंडित सूर्य प्रकाश मिश्रा, अधिन पंडित एवं पंडित नानू पप्पू शास्त्री के आचार्यत्व में धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए। मुख्य पूजन में नगर युवा संघ अध्यक्ष विमल शर्मा एवं महासंघ महामंत्री महेंद्र व्यास विराजित रहे। युवा संघ जिला अध्यक्ष छोटू पांडे ने बताया कि पूजन के पश्चात



सामूहिक यज्ञ आयोजित किया गया, जिसकी पूर्णाहुति समस्त उपस्थित समाजजनों द्वारा दी गई। और सभी ने भगवान परशुराम से समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का संचालन पंडित सतीश दुबे ने किया तथा युवा संघ महामंत्री कपिल व्यास ने आभार व्यक्त किया। अंत में सभी ने स्वल्पाहार ग्रहण किया।कार्यक्रम

में पं.ओपी तिवारी पं. देव कृष्ण व्यास पं. संजय शुक्ला पं.प्रयास गौतम पं.आशुतोष जोशी पं.शंकर लाल शर्मा पं.सुरेश चंद्र व्यास पं.रविकांत मिश्रा पं.दिलीप शर्मा पं.सतीश दुबे पं.दीपक जोशी पं.महेंद्र स्थापक पं.घनश्याम पं.नवीन दुबे मोदी आकाश अवस्थी अमिताभ शुक्ला, भरत व्यास,मयंक उपाध्याय,प्रतीक पंडित सुरेश शर्मा,आदिपट्ट दुबे मंगेश शर्मा,रोहित उपाध्याय,मुकेश शर्मा, मोहित पंड्या,अंकित शर्मा,प्रेमनाथ तिवारी सतीश व्यास,आर पी मिश्रा यशोदा शर्मा,आशा शर्मा,विनीता व्यास,वंदना पांडे,रचना शर्मा रेखा शर्मा,मंगल दुबे,भावना बाजपेई,अनीता शुक्ला,रानी व्यास, उषा शर्मा, रीता शर्मा,प्रमोद व्यास, अरुंद महलतारे, मनोज शुक्ला, विनोद शर्मा, संजय त्रिवेदी, गिरधरलाल शर्मा, नारायण तिवारी, डी के पांडे, रघुनंदन समाधिया, देवी शंकर तिवारी, सदाशिव उपाध्याय, राधेश्याम तिवारी, चंद्रशेखर दुबे,

बीके मेहता, गौरी शंकर चौबे, पुष्पा पेशकार, श्याम पेशकार, ममता शर्मा, राजेश पाठक, अशोक शर्मा, प्रमोद व्यास, महेश व्यास, सुरेश शर्मा पत्रकार, लोकेंद्र शर्मा, मृत्युंजय व्यास, भानुकुल व्यास, नंदकिशोर शर्मा, किशोरी लाल शर्मा, प्रेमानंद दुबे, आशीष दुबे, सत्यम जोड़े, आशीष तिवारी, नरेंद्र नागर, मुकेश जोशी, गोविंद शर्मा, सुदामा शर्मा, किशोर दुबे, अनिल शर्मा, मयूर व्यास,मनोज शर्मा, दिनेश शर्मा, अशोक, प्रणय व्यास, कुमार चौधरी, कृष्णकांत शर्मा, अशोक चौबे, श्याम सुंदर शर्मा, सुभाष चंद्र शर्मा, संदीप शर्मा, श्याम शर्मा, चंद्रपाल शर्मा, जितेंद्र तिवारी, अश्वनी सारिया, अरविंद जोशी, पुष्पा मिश्रा, संध्या आचार्य अजय पांडे, लकी शर्मा, मुकुल गीते,सुरेश चौधरी, महासंघ, युवा संघ एवं महिला संघ के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देशन में ग्राम चकचंदेवा क्षेत्र में 20 वर्षीय युवक का बाल विवाह रोका गया

दुतिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखेड़े के निर्देशन में जिले में बाल विवाह रोकथाम अभियान के तहत लगातार सख्त कार्यवाही जा रही है। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम चकचंदेवा थाना दुरसड़ा क्षेत्र में एक 20 वर्षीय युवक का विवाह रकवाया। जिला प्रशासन को फोन के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई कि ग्राम चकचंदेवा थाना दुरसड़ा क्षेत्र में 20 वर्षीय युवक का बाल विवाह हो रहा है। कलेक्टर के निर्देशन पर तत्काल कार्यवाही करने हेतु महिला एवं बाल



विकास विभाग एवं संबंधित थाने की पुलिस टीम मौके पर जांच करने हेतु पहुंची। इस दौरान महिला बाल विकास विभाग से सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती नीलम यादव, आंगनवाड़ी

कार्यकर्ता श्रीमती भारती अहिरवार, स्वास्थ्य विभाग से आशा कार्यकर्ता श्रीमती जूली अहिरवार, पुलिस विभाग से दीवान श्री कालीचरण कुशवाहा, प्रधान आरक्षक श्री राजेश भदौरिया तथा धरती संस्था से श्री राम चतुर्वेदी उपस्थित हुये। टीम के मौके पर पहुंचने पर परिजनों ने विवाह संबंधी जानकारी छिपाने का प्रयास किया और टीम को गुमराह करते हुए

बढ़ाने बनाकर कहने लगे कि बालक पढ़ा लिखा नहीं है और विवाह के कारण दस्तावेज पता नहीं कहाँ रखे है। इस पर टीम ने दस्तावेजों की जांच के लिए स्कूल रिकॉर्ड का

सत्यापन कराया तथा परिजनों को थाने ले जाेने की चेतावनी दी। इसके बाद बालक एवं बड़ा भाई, जो पहले छिप रहे थे, सामने आए। स्कूल रिकॉर्ड की जांच में युवक की उम्र 20 वर्ष पाई गई। सूचना सही पाए जाने पर टीम ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए बाल विवाह रकवाया और परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत समझाइश दी। बालक का विवाह 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर किया जाता है । कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखेड़े ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जल बचाना हमारी पहली प्राथमिकता

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद, ब्लॉक शाजापुर द्वारा जल स्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता को लेकर एक सराहनीय पहल की गई। इस अभियान के तहत शाजापुर नगर स्थित जलेश्वर महादेव (गिरवर रोड) परिसर में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं एवं परामर्शदाताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने मिलकर जलेश्वर महादेव, तेलीबाड़ा क्षेत्र में स्थित जलाशय की साफ-सफाई की।



श्रमदान के दौरान घाट की सीढ़ियों को साफ किया गया तथा किनारों पर एकत्रित पूजन सामग्री एवं अन्य कचरे को तगाड़ी और फावड़ों की सहायता से निकालकर स्थल को स्वच्छ बनाया गया।

इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक बसंत रावत ने उपस्थित प्रतिभागियों को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित

विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रम साधना एवं जल साधना जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की और सभी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में परामर्शदाता बहादुर जी, मनोज श्रीती, महेंद्र वर्मा नगर विकास प्रस्फुटन समिति से तुषि मिश्रा, संतोष परिहार सहित अन्य सहभागी उपस्थित रहे।

यह पहल न केवल स्वच्छता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी प्रभावी माध्यम बन रही है।

सरकार अगर गेहूं नहीं खरीदना चाहती है तो अपनी नीति स्पष्ट करें - महामंत्री रमेश दांगी

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया मध्य प्रदेश सरकार शासन प्रशासन में किसानों की अजीबो गरीब स्थिति बनी हुई है इसमें पहले पंजीयन के लिए संघर्ष हुआ जिसने गिरदावरी में गेहूं दर्ज किए गए जितने रकबे में गेहूं है उतने रकबे का पंजीयन हो चुका था जब तुलाई की बात आई तो सरकार तारीख पर तारीख दिए जा रही है इससे किसानों के मन में बड़े भ्रम की स्थिति बनी हुई है फिर एक और बड़ा भ्रम पैदा किया छोटे मझले बड़े किसान और भाई किसान का मतलब किसान छोटा हो या बड़ा हो किसान किसान ही होता है यह छोटे बड़े का भ्रम पैदा करना किसानों के मन को घृणित करता है।

किसान गेहूं कटाई के उपरांत गेहूं का भंडारण खेतों में खलिहानों में कर चुके हैं आप स्वयं जाकर देख सकते हैं हर वर्ष की तरह सरकार रबि सीजन को लेकर गेहूं खरीदी करने के लिए अलग-अलग राज्य की सरकारों ने समर्थन मूल्य में खरीदी के लिए डिंडोरा पीट पीट कर खरीदी करने की बात तो कहीं परंतु जमीनी स्तर पर अभी तक खरीदी सुनिश्चित नहीं हुई है और सरकार कृषि कल्याण वर्ष मना कर किसानों के नाम पर बैनर पोस्टर मेले लगा कर लाखों रुपए फालतू खर्च कर रही हैमध्य प्रदेश सरकार किसानों को ब्रह्म के जाल में डालते हुई है और सत्यापित हो रहे रकबे को असत्यापित किया जा रहा है किसान उपाजर्न केदो पर जाने का इंतजार कर रहे हैं सैटलाइट

बता रहा फसल असत्यापित है एक बार में सरकार से पुनः आग्रह करते हैं कि अपनी समर्थन नीति को स्पष्ट करना चाहिए ताकि समर्थन मूल्य की आस लगाए बैठ़ा किसान स्वतंत्र हो जाए अगर खरीदी नहीं करना है तो अपनी नीति स्पष्ट करें संगठनात्मक विषय परिपेक्ष को लेकर भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत की बैठक 23 अप्रैल को इंदौर में रखी गई है जिसमें जिसमें सभी विषयों पर चर्चा होगी अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री माननीय गजेंद्र सिंह जी का मार्गदर्शन प्राप्त होगा भारतीय किसान संघ सभी विषयों पर आगे अपनी रणनीति तैयार करेगा जानकारी प्रांत प्रचार प्रमुख गोवर्धन लाल पाटीदार ने दी।

ग्राम पंचायत खंडलाराव में प्राचीन बावड़ी एवं कुँए के आसपास स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम का किया गया आयोजन

आलीराजपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर के निर्देशन में जल संरक्षण पर केंद्रित श्रमसाधना गतिविधि के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के तहत ग्राम पंचायत खंडलाराव में प्राचीन बावड़ी एवं कुँए के आसपास स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं, परामर्शदाताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सामूहिक रूप से श्रमदान कर जल स्रोतों की साफ-सफाई की। इस गतिविधि के माध्यम से जल स्रोतों के संरक्षण, पुनर्जीवन एवं नियमित देखरेख की आवश्यकता को व्यवहारिक रूप में समझाया गया। कार्यक्रम ने सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करते हुए जल है तो कल है के संदेश को स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाया। इसके पश्चात ग्राम पंचायत खंडाला राव स्थित नांदिया वडली महादेव मंदिर परिसर में सामूहिक बैठक एवं संगोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में जल संरक्षण को लेकर स्पष्ट कार्ययोजना तैयार की गई, जिसमें दीवार लेखन, जल स्रोत पूजन, वृक्ष पूजन, शपथ कार्यक्रम, ग्राम स्तरीय बैठकें एवं संगोष्ठियाँ शामिल हैं। सभी उपस्थितों ने सामूहिक शपथ लेकर संकल्प व्यक्त किया कि 30 जून 2026 तक इन गतिविधियों के माध्यम से जन-जागरण कर अभियान को परिणामोन्मुख बनाया जाएगा। साथ ही प्रभात फेरियों के माध्यम से घर-घर तक संदेश पहुंचाने की रणनीति पर भी सहमति बनी।

ज्ञानदीप मंडल का जीव दया प्रकल्प: पशु-पक्षियों के लिए जल सेवा का सराहनीय अभियान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानव सेवा के साथ-साथ जीव दया की भावना को साकार करते हुए ज्ञानदीप मंडल द्वारा नगर में निरंतर सेवा कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गत रविवार को मंडल द्वारा पक्षियों के लिए सक्रोरे (जलपात्र) वितरित किए गए थे, वहीं इस रविवार को नगर के चिन्हित स्थानों पर पशुओं के लिए सुलभ जल उपलब्ध कराने हेतु चाँटिये रखे गए।

मंडल के संस्थापक अध्यक्ष श्री विजय बाफना ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा विभिन्न परीपकारी गतिविधियाँ दानदाताओं के सहयोग से संचालित की जाती हैं। इसके अंतर्गत घर पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे मरीजों को पेशेंट केयर बेड, वॉकर, व्हीलचेयर, ऑक्सीजन सिलेंडर सहित अन्य आवश्यक मेडिकल उपकरण निशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे मरीज घर पर ही बेहतर उपचार प्राप्त कर सकें। नशा मुक्ति, पर्यावरण संरक्षण हेतु जन जागरण अभियान, दुर्घटना बचाव हेतु ट्रेक्टर ट्रालियों पर रेडियम लगाने जैसे सामाजिक दायित्व के प्रकल्प किये जाते है उन्होंने बताया कि परीपकार के प्रकल्प में संस्था द्वारा शीत ऋतु में निर्धन परिवारों के लिए ऊनी वस्त्र संग्रहण एवं वितरण के परिवहन और गोदामों में सुरक्षित स्टैकिंग की व्यवस्था भी उनकी जिम्मेदारी होगी।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मौके पर ही समस्याओं का समाधान किया जाएगा। यदि किसी समस्या का निराकरण तत्काल संभव नहीं हो पाता है, तो उसे वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। उपाजर्न केंद्रों पर बारदान (जूट के बोरे) की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। कमी की स्थिति में संबंधित अधिकारी जिला प्रबंधक, म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाईज

पंवार, हेमराज पंवार, अशोक लोढ़ा, दिनेश हरोड़, ईश्वरलाल जोशी, पवन पाटोदी, मुकेश आर्य, वैभव चौरड़िया, विक्रम सिंह चौहान सहित जैन सोशल रूप के पौरुषिधान न हो, इसके लिए मौके पर ही समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

यदि किसी समस्या का निराकरण तत्काल संभव नहीं हो पाता है, तो उसे वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। उपाजर्न केंद्रों पर बारदान (जूट के बोरे) की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। कमी की स्थिति में संबंधित अधिकारी जिला प्रबंधक, म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाईज

पंवार, हेमराज पंवार, अशोक लोढ़ा, दिनेश हरोड़, ईश्वरलाल जोशी, पवन पाटोदी, मुकेश आर्य, वैभव चौरड़िया, विक्रम सिंह चौहान सहित जैन सोशल रूप के पौरुषिधान न हो, इसके लिए मौके पर ही समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

यदि किसी समस्या का निराकरण तत्काल संभव नहीं हो पाता है, तो उसे वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। उपाजर्न केंद्रों पर बारदान (जूट के बोरे) की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। कमी की स्थिति में संबंधित अधिकारी जिला प्रबंधक, म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाईज

कॉर्पोरेशन और ई-उपाजर्न वाट्सएप समूह के माध्यम से तत्काल सूचना देंगे। जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने पंजीकरण और टोकन के आधार पर ही गेहूं विक्रय के लिए उपाजर्न केंद्रों पर पहुंचें, ताकि खरीदी कार्य व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

बालाघाट तहसील के ग्राम लामता के उपाजर्न केन्द्र लामता केंद्र क्रमांक 01 के लिए कृषि विस्तार अधिकारी श्री लक्ष्मीकांत खांडेकर मो.नं. (7869127177) एवं पायली उपाजर्न केंद्र में कृषि विस्तार अधिकारी श्री रेखचंद मनघटे



दम्पति के लिए नई जिम्मेदारी की शुरुआत होती है दोनों नव दंपतियों को एक दूसरे का और परिवार के सम्मान करते रहना चाहिए। विवाह पश्चात कन्या नव पारिवारिक वातावरण में जाती है अतः उसे घुलने मिलने के लिए पूरे परिवार का सहयोग चाहिए। साथ ही नए जोड़ों को अपने जीवन को समृद्धि की ओर ले जाने के लिए अपने कौशल आधारित व्यवसाय करना चाहिए।

नगर पालिका अध्यक्ष एवं जोबट विधायक श्रीमती सेना पटेल ने नव दंपतियों को विवाह उपरांत नए जीवन में प्रवेश करने हेतु बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह शासन की महत्वपूर्ण योजना है। जो भी जोड़े पंजीयन में तकनीकी त्रुटि के कारण इस शासकीय योजना का लाभ इस बार लेने से वंचित रह गए,उन्हें अगली तिथि में अवश्य ही अवसर मिलेगा इसलिए चिंता ना करे,उनका पंजीयन अवश्यक ही होगा। उन्होंने

नव दंपतियों को उनके नए जीवन में खुशी, समृद्धि से रहने का आशीर्वाद दिया। कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने एक-एक कर सभी जोड़ों से मुखातिब होकर उन्हें उनके सुखी एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएँ दी। उन्होंने जिले में इस वर्ष के प्रथम सामूहिक विवाह समारोह सम्मेलन के आयोजन होने पर कहा कि इस सामूहिक विवाह का उद्देश्य बिना आडंबर के शांतिपूर्ण विवाह करना है। उन्होंने नव विवाहित जोड़ों को कहा कि विवाह होने पर आप पूरे परिवार से जुड़ते है। एक महिला विवाहित होने पर नए घर में प्रवेश करती है वह बहुत भाग्यशाली होती है कि उन्हें नया परिवार मिलता है इसलिए दोनों परिवार का हमेशा सम्मान करना चाहिए। नव दम्पति अपनी जिम्मेदारी लेते हुए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें।

कार्यक्रम में ब्राह्मणों द्वारा गायत्री परिवार के विधि-विधान के साथ अर्पित के समक्ष सभी जोड़ों का वैवाहिक संस्कार संपन्न कराया गया। इस अवसर पर नवदंपतियों को सुखी, समृद्ध और मंगलमय जीवन के लिए आशीर्वाद दिया गया। कार्यक्रम में विधायक श्रीमती सेना पटेल एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती संधिमित्रा गौतम द्वारा नव दम्पतियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। समारोह उपरांत सभी नवदंपतियों के लिए भोजन व्यवस्था भी की गई।

बालाघाट में गेहूँ खरीदी शुरू, 13 उपाजर्न केन्द्रों पर नोडल अधिकारी तैनात

बालाघाट/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बालाघाट जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत किसानों से गेहूँ खरीदी का कार्य 15 अप्रैल से शुरू हो गया है। कलेक्टर मृणाल मीना ने खरीदी प्रक्रिया को सुचारु एवं पारदर्शी बनाने के लिए जिले के 13 उपाजर्न केंद्रों पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। नियुक्त नोडल अधिकारी खरीदी केंद्रों की गतिविधियों पर निगरानी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि पंजीकृत किसानों को समय पर टोकन जारी हो तथा निर्धारित मात्रा के अनुसार गेहूँ की तौल और भंडारण सही तरीके से हो। साथ ही, खरीदे गए गेहूँ

के परिवहन और गोदामों में सुरक्षित स्टैकिंग की व्यवस्था भी उनकी जिम्मेदारी होगी।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मौके पर ही समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

यदि किसी समस्या का निराकरण तत्काल संभव नहीं हो पाता है, तो उसे वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। उपाजर्न केंद्रों पर बारदान (जूट के बोरे) की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। कमी की स्थिति में संबंधित अधिकारी जिला प्रबंधक, म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाईज

कॉर्पोरेशन और ई-उपाजर्न वाट्सएप समूह के माध्यम से तत्काल सूचना देंगे। जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने पंजीकरण और टोकन के आधार पर ही गेहूं विक्रय के लिए उपाजर्न केंद्रों पर पहुंचें, ताकि खरीदी कार्य व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

बालाघाट तहसील के ग्राम लामता के उपाजर्न केन्द्र लामता केंद्र क्रमांक 01 के लिए कृषि विस्तार अधिकारी श्री लक्ष्मीकांत खांडेकर मो.नं. (7869127177) एवं पायली उपाजर्न केंद्र में कृषि विस्तार अधिकारी श्री रेखचंद मनघटे

(9424371365) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह किरनापुर तहसील के ग्राम बड़ावां उपाजर्न केंद्र क्रमांक 01 में कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमति महेश्वरी भालाधरे (9165605413), लांजी तहसील के उपाजर्न केंद्र लांजी केंद्र क्रमांक 01 में श्री अर्पित नारनौरे (7697190965), वारासिवनी तहसील के उपाजर्न केन्द्र वारासिवनी केन्द्र क्रमांक 01 में श्री गौतम पुसामे (8858958246), खैरलांजी तहसील के ग्राम खैरलांजी उपाजर्न केंद्र किन्ही मंडी शेड केन्द्र क्रमांक में श्रीमति करुणा उके (

9424992190), कटंगी तहसील के ग्राम थाना उपाजर्न केन्द्र कटंगी नंदलेशरा गादाम केन्द्र क्रमांक में कुमारी मोनिका मसराम(8517034160) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार बैहर तहसील के ग्राम बैहर नजूल उपाजर्न केंद्र बैहर नजूल में श्रीमति प्रेमादिनी नाग (8989252838) एवं ग्राम गढी उपाजर्न केंद्र परसामाउ गढी में श्री आकाश कुमार ऐडे (9584005377), बिरसा तहसील के ग्राम दमोह उपाजर्न केंद्र दमोह तरण वेयरहाउस केंद्र क्रमांक 01 में खिमलेश्वरी धुवें (7828146461) आदी।

ग्राम सांवरी बाजार में जल मंदिर का शुभारंभ



छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी के बीच जनसेवा और जल संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए गत दिवस ग्राम सांवरी बाजार के बस स्टॉप पर जल मंदिर (प्याऊ) का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह पहल मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में एवं सेतु वेलफेयर फाउंडेशन सोसाइटी (सेक्टर क्रमांक-2) के सहयोग से संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में विकासखंड समन्वयक श्री भवानी प्रसाद कुमारे के नेतृत्व में इस पुनीत कार्य का शुभारंभ किया गया। गर्मी के इस मौसम में यह प्याऊ राहगीरों, यात्रियों एवं ग्रामीणों के लिए राहत का केंद्र बनेगा, जहां उन्हें शीतल एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। साथ ही जल संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। वक्ताओं ने जल के महत्व को बताते हुए कहा कि जल ही जीवन है, और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल का संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे जल का सदुपयोग करें, अनावश्यक बर्बादी से बचें और वर्षा जल संचयन जैसे उपायों को अपनाएं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं में समाजसेवी श्री ऋषि सोनी, विकासखंड समन्वयक श्री भवानी प्रसाद कुमारे, श्री विनोद वस्त्राणे, श्री चेतन चौधरी, श्री नितेश जैन, श्री सोनू साहू, श्री विकेश साहू आदी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताप्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

**भगवान श्रीकृष्ण के चरणों से पावन हर स्थल पर
साकार हो रहा श्रीकृष्ण पाथेय**

जानापाव - जीवंत होगा धर्म, ज्ञान और दिव्यता का अद्वितीय लोक

◆ **विरासत का विकास**

इस देवस्थान का लगभग
₹17 करोड़ की लागत से होगा
भव्य निर्माण

◆ **विशाल प्रवेश द्वार**

विशिष्ट पत्थर एवं धातु से
निर्मित 30 फीट ऊंचा आकर्षक
प्रवेश द्वार

◆ **भव्य कांस्य प्रतिमाएं**

प्रांगण में स्थापित होंगी भगवान
श्री परशुराम एवं भगवान श्रीकृष्ण
की कांस्य से निर्मित प्रतिमाएं

◆ **सुसज्जित परिसर**

लैंडस्केपिंग, पाथवे एवं अन्य
आधुनिक विकास कार्यों से बनेगा
सुन्दर परिसर

◆ **कथा मंच**

धार्मिक एवं सांस्कृतिक
आयोजनों के लिए समर्पित मंच

◆ **मंडप एवं दृश्य स्थल**

प्रांगण में चार मंडप एवं दृश्य
स्थल, अनुभव को बनाएंगे और
भी विशेष

◆ **पौराणिक संग्रहालय**

भगवान श्री परशुराम और
भगवान श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन
को दर्शाती 5 विशेष दीर्घाएं

◆ **दीर्घाएं**

अस्त्र-शस्त्र दीर्घा, उत्पत्ति दीर्घा,
स्वरूप दीर्घा, संतुलन दीर्घा एवं
ध्यान दीर्घा

सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ता मध्यप्रदेश